राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 13 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–168 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब सभी को सभी से खतरा है...

संजय राउत के ट्वीट से हलचल, देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को भी किया टैग

मुंबई। शिवसेना के राज्यसभा सांसद अपने दिलचस्प बयानों के लिए चर्चित रहे हैं। अब उन्होंने एक नया ट्वीट किया है, जिसे लेकर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा छिड़ गई है। मंगलवार को सुबह ही संजय राउत ने शायर जौन एलिया का एक शेर ट्वीट करते हुए लिखा, 'अब नही कोई बात खतरे की, अब सभी को सभी से खतरा है।' इस ट्वीट में संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र सीएमओ, एकनाथ शिंदे, उद्धव ठाकरे और प्रियंका गांधी को टैग किया है। उनके इस ट्वीट के सही अर्थ को लेकर चर्चा हैं। कहा जा रहा है कि संजय राउत ने अपने ट्ववीट से संकेत दिया है कि शिवसेना आने वाले समय में कोई बड़ा फैसला ले सकती है। इसके अलावा महा विकास अघाड़ी के भविष्य को लेकर भी इस ट्वीट से कयास लगने लगे हैं।

इससे पहले 2019 में महाविकास अघाड़ी के गठन से पहले भी संजय राउत हर दिन रोचक

ट्वीट करते देखे गए थे। इस बार एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बीच भी संजय राउत काफी चर्चा में रहे हैं। उद्धव ठाकरे का बचाव हो या फिर एकनाथ शिंदे गुट पर तीखे हमले, उन्होंने आगे बढ़कर आक्रामक बयानों से काफी चर्चा बटोरी। यही नहीं बीते दिनों उनके एक और ट्वीट की चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'जब खोने के लिए कुछ भी ना बचा हो तो पाने के लिए बहुत कुछ होता हैं! जय महाराष्ट्र।' उनके इस ट्वीट से यही अनुमान लगाया जा रहा था कि संभवतः वह शिवसेना के नए सिरे से गठन की बात कर रहे हैं। बता दें कि बगावत के बीच संजय राउत पर लगातार एकनाथ शिंदे गुट के विधायक हमला बोलते रहे हैं। पिछले दिनों ही शिंदे गुट के नेता गुलाब राव पाटिल ने कहा था कि हम सभी लोग आज भी शिवसेना के हैं और मातोश्री जाने के लिए तैयार हैं। लेकिन उद्धव ठाकरे को कुछ लोगों ने घेर रखा है और उन्हें धृतराष्ट्र बना दिया है। यदि ऐसे लोगों को हटाकर बात करें तो हम आ सकते हैं। उनकी इस टिप्पणी को संजय राउत से ही जोड़कर देखा गया था। इसके अलावा बागी विधायक संजय राउत के मास लीडर न होने पर भी सवाल खड़े करते रहे हैं।

सुनवाई में कितना समय लगेगा, एससी में देरी पर बोली शिवसेना

इस बीच मुखपत्र सामना में भी शिवसेना ने नई सरकार पर सवाल उठाते हुए चुनाव कराने की मांग की है। सामना में लिखा गया, 'यह सरकार अवैध है। इसलिए मध्यावधि चुनाव की तैयारी की जाए। कोर्ट ने कहा कि सुनवाई में समय लगेगा, लेकिन इसमें कितना समय लगेगा? तब

> शिवसेना के राज्यसभा सांसद अपने दिलचस्प बयानों के लिए चर्चित रहे हैं। अब उन्होंने एक नया ट्वीट किया है, अब इसके अर्थ को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा छिड़ गई है।

तक क्या महाराष्ट्र पर शिंदे-फडणवीस की अवैध सरकार थोपी जाएगी? यह सरकार अवैध है।' इसलिए इस सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार नहीं होना चाहिए। जब तक पीठ सुनवाई कर रही है, इस सरकार को या तो 'कार्यवाहक' के रूप में कार्य करना चाहिए या मध्यावधि चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए।

'फेल हुआ ऑपरेशन कमल', दिनेश गुंडू राव बोले- महाराष्ट्र जैसे गोवा में भी पार्टी तोड़ना चाहती थी बीजेपी

पणजी। गोवा कांग्रेस में शुरू हुआ संकट थमा नहीं है। इसी बीच पार्टी के प्रदेश प्रभारी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है और इसे 'फ्लॉप ऑपरेशन कमल' बताया है। साथ ही उन्होंने पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता दिगंबर कामत पर भी बड़े आरोप लगाए। रविवार को पार्टी के बड़े नेता संपर्क से बाहर हो गए थे। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगी थी कि वे दल बदल सकते हैं। न्यूज18 से बातचीत में राव ने कहा, 'हमें पता है कि हमारे वफादार लोग कौन हैं और दल बदलू कौन हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक और कोशिश की लेकिन बुरी तरह असफल हो गई। उन्होंने कहा, 'दबाव के बावजूद हमारे युवा और पहली बार के विधायक साथ हैं। यह साजिश एक महीने से चल रही थी, लेकिन हमारे विधायक अपने आप ही जमे रहे।' उन्होंने आरोप लगाए कि विधायकों को खदान, कोयला और उद्योगों समेत कई जगहों से दबाव डाला गया। रिपोर्ट के अनुसार, राव ने पुष्टि की है कि कांग्रेस के पास 7 विधायक हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चार नेता पार्टी के साथ नहीं हैं। इनमें माइकल लोबो, दिगंबर कामत, केदार नाईक और डेलिलाया लोबो का नाम शामिल है। उन्होंने कहा, यह शर्मनाक है कि कैसे भाजपा धनबल और मंत्रियों को लुभाने के लिए कैसे नीचे गिर गई। राव का कहना है कि भाजपा, कांग्रेस का अंत होने तक नहीं रुकेगी, लेकिन हम भी आखिर तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा, उनका एक एजेंडा कांग्रेस को खत्म करना है। वे ऐसा आप या दूसरे विपक्षी दल के साथ नहीं करेंगे। उनकी लड़ाई कांग्रेस के साथ है। वे इसके लिए विपक्ष मुक्त देश या गोवा सुनिश्चित कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस अभी भी वफादार कैडर के साथ मजबूत पार्टी है। भारत में एक मजबूत विपक्षी दल बनाने में 20 साल और लगेंगे और इसलिए भाजपा विपक्ष को खत्म करने के लिए मौका तलाश रही है।

अमरनाथ यात्रा बहाल, घर पहुंचे 35 लापता श्रद्धालु

जम्मू। मौसम साफ होने पर जम्मू से एक बार फिर अमरनाथ यात्रियों के जत्थे को दक्षिण कश्मीर के बालटाल और नुनवान-पहलगाम बेस कैम्पों के लिए रवाना किया गया। उधर पहलगाम मार्ग पर पंजतरणी में रोके गए श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए भेजा गया परंतु बारिश शुरू होने पर कुछ देर के लिए यात्रा को रोकना पड़ा। पवित्र गुफा के पास आई बाढ़ में श्रद्धालुओं के लापता होने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। आंध्र प्रदेश के 37 में से 35 तीर्थयात्री सुरक्षित घर पहुंच गए हैं जबकि आंध्र प्रदेश के 2 तीर्थयात्री गुनिशेट्टी सुधा और कोठा पार्वती का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर वाट्स ऐप करें दूसरी ओर आंध्र प्रदेश से लापता तीर्थयात्रियों पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण देते हुए एल.जी. प्रशासन ने खुलासा किया कि मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के 37 तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा में लापता हैं जोकि तथ्यात्मक सही नहीं है। इस संबंध में आंध्र प्रदेश सरकार ने संभागीय आयुक्त कश्मीर को पत्र लिखकर मीडिया रिपोर्ट का स्पष्ट रूप से खंडन किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने

सोमवार को अमरनाथ यात्रा के ऐतिहासिक मार्ग चंदनवाड़ी का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य, लंगर, रहने-ठहरने एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम और सफाई कर्मियों से बातचीत की।

शपथ लेने के अगले ही दिन बंद होगा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग: यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली। प्रचार अभियान में जुटे राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का केंद्र सरकार पर हमला जारी है। राजस्थान पहुंचे सिन्हा ने कहा कि देश में सांप्रदायिक तनाव है और राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिराने की कोशिशें की जा रही हैं। साथ ही उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। विपक्ष की तरफ से मैदान में उतरे सिन्हा के सामने NDA की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू हैं।

उन्होंने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं, तो शपथ लेने के अगले ही दिन केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल बंद हो जाएगा। जयपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री

ने कहा कि 18 जुलाई को होने वाला राष्ट्रपति चुनाव केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ है, जिनका इस्तेमाल केंद्र सरकार की तरफ से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मैं दूसरे पक्ष के चुने हुए प्रतिनिधियों से कहना चाहता हूं कि वे भी हालात पर विचार करें और जो सही है वह करहें। देश जिन हालात का सामना कर रहे हैं उन्हें देखते हुए राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव असामान्य स्थिति में हो रहे हैं। सांप्रदायिक तनाव है और कई राज्यों में चुनी हुई सरकारों को हटाने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में ऐसा महाराष्ट्र और गोवा में देखा गया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति जैसा होगा हाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टीएमसी विधायक इदरीस अली का तंज

उन्होंने आरोप लगाए कि भाजपा और केंद्र में उसकी सरकार जानबूझकर देश में नफरत का माहौल तैयार कर रही है। साथ ही उन्होंने सरकार पर आर्थिक नीतियों, रुपये में गिरावट को लेकर निशाना साधा। मौजूदा राष्ट्रपति को लेकर उन्होंने कहा, 'अगर हम पिछले पांच सालों की बात करें, तो यह दौर राष्ट्रपति भवन में शांति का था। हमने एक खामोश राष्ट्रपति देखा है।'

स्कूलों में श्रीमद् भगवद् गीता पढ़ाने का प्रस्ताव

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने स्कूलों में श्रीमद् भगवद् गीता को प्रार्थना कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों में श्लोक पाठ के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को चुनौती देने वाली याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने हालांकि इस प्रस्ताव पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया और राज्य सरकार से 18 अगस्त तक जवाब मांगा।

1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर वाट्स ऐप

करें

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री की खंडपीठ ने जमीयत उलमा-ए-हिंद द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। याचिका में स्कूलों में इस शैक्षिक वर्ष से श्रीमद् भगवद् गीता को प्रार्थना और श्लोकों आदि के पाठ जैसी गतिविधियों के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को चुनौती दी गई थी। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने संवैधानिक वैधता के आधार पर प्रस्ताव को चुनौती दी और दावा किया कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लंघन है।

दिल्ली-मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की योजना, गडकरी बोले- ट्रॉलीबस की तरह ट्रॉलीट्रक भी चलेंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दिल्ली और मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक हाइवे बनाने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। गडकरी ने बीते दिन नई दिल्ली में हाइड्रॉलिक ट्रेलर ओनर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली और मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक राजमार्ग की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक हाईवे आमतौर पर ऐसी सड़क होती है जिस पर चलने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। यह बिजली सड़क के ऊपर लगे तारों से वाहन तक पहुंचाई जाती है। उन्होंने कहा कि आप ट्रॉलीबस की तरह ट्रॉलीट्रक भी चला

सकते हैं। मालूम हो कि ट्रॉलीबस इलेक्ट्रिक बस होती है जो ओवरहेड तारों से होने वाली बिजली आपूर्ति से चलती है।

जिलों को चार लेन वाली सड़कों से जोड़ने का फैसला

इस मौके पर गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने सभी जिलों को चार लेन वाली सड़कों से जोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार 2.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य की सुरंगों का भी निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्यों के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में भ्रष्टाचार को कम करने के लिए सभी सेवाओं को डिजिटल करने की जरूरत है।

गडकरी ने प्रदूषण को बड़ी चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों के मालिकों से मैं वैकल्पिक ईंधन जैसे कि इथेनॉल, मेथनॉल और ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल करने की अपील करता हूं। केंद्रीय मंत्री ने यह स्वीकार किया कि रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में भ्रष्टाचार की वजह से भारी वाहनों के मालिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

रोड एक्सिडेंट और मौतों में कमी लाना लक्ष्य

नितिन गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य रोड एक्सिडेंट और मौतों में कमी लाना है। उन्होंने कहा कि हम सभी को रोड सेफ्टी को लेकर चौकन्ना रहने की जरूरत है। हमें ट्रेन्ड ड्राइवर्स की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था होने के नाते हमें देश को सभी प्रकार के ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत है। गडकरी ने यह भी कहा कि चीन, यूरोपीय संघ और अमेरिका की तुलना में भारत में लॉजिस्टिक कॉस्ट अधिक है।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज, इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भारी बारिश से बुरा हाल है। गुजरात, महाराष्ट्र के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी है। वहीं, दिल्ली में सोमवार को हुई बारिश से मौसम में बदलाव आया है। मौसम विभाग की मानें तो आज दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अगर आज, 12 जुलाई के तापमान की बात करें तो न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 36 डिग्री रिकॉर्ड किया जा सकता है।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ के कुछ हिस्सों, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा और दक्षिण गुजरात में मध्यम से भारी बारिश संभव है। गुजरात के शेष हिस्सों, तटीय कर्नाटक, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है और दक्षिणपूर्व राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश के साथ 1-2 स्थानों पर भारी बारिश संभव है।

दिल्ली, यूपी, पंजाब, हरियाणा में होगी हल्की बारिश

सिक्किम, जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़, दक्षिण झारखंड, आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना के शेष हिस्सों और तटीय आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। उत्तर प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा,

तमिलनाडु, लक्षद्वीप और रायलसीमा की तलहटी में हल्की बारिश संभव है।

दिल्ली-एनसीआर में तीन दिन बारिश की संभावना

राजधानी में मंगलवार को भी दिन भर बादल छाए रहेंगे । गर्जन वाले बादल बनने

> स्काईमेट वेदर के मुताबिक, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ के कुछ हिस्सों, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा और दक्षिण गुजरात में मध्यम से भारी बारिश संभव है। गुजरात के शेष हिस्सों, तटीय कर्नाटक, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है

और हल्की वर्षा होने के आसार है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान रह सकता क्रमशः 36 और 27 डिग्री सेल्सियस, अगले तीन दिनों के दौरान भी कभी भी एकाएक बरसात होने की संभावना है।

पंजाब में मौसम सुहाना रहेगा

मंगलवार को पंजाब भर में मौसम का मिजाज अच्छा रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार कुछ स्थानों पर बादल छाए रहने का अनुमान है तो कुछ जिलों में सामान्य वर्षा होगी। इसके बाद अगले दो दिन तक मौसम सुहावना बना रहेगा।

हिमाचल में भारी बारिश की चेतावनी

हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने मंगलवार को किन्नौर जिले को छोड़कर शेष जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके कारण सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिन के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

ईश्वर से की गई प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है। - अब्दुल कलाम

संपादकीय

भुखमरी का प्रहार

खाद्य सुरक्षा पर संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में भुखमरी की समस्या विकराल होती जा रही है। पूरी दुनिया में 2.3 अरब लोगों को भोजन सामग्री जुटाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह आंकड़ा 2021 का है, जिसमें कोरोना संकट के घातक प्रभाव भी निहित हैं। इस साल शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अनाज, पेट्रोलियम पदार्थों व खाद आदि के दाम बढ़ने से आज पूरी दुनिया जिस चुनौती का सामना कर रही है, उसके बाद की भयावह स्थिति का अंदाजा स्वत- ही लगाया जा सकता है। विडंबना ही है कि पूरी दुनिया में भुखमरी, खाद्य असुरक्षा तथा कुपोषण को दूर करने के लिये पिछले दशक में जो प्रयास किये गये थे, उन पर पानी फिरता नजर आ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की हालिया प्रकाशित रिपोर्ट में चिंता जताई गई है कि वर्ष 2030 तक भूख,खाद्य असुरक्षा व कुपोषण को खत्म करने के जो लक्ष्य निर्धारित किये गये थे, उन्हें पूरा करना अब मुश्किल नजर आता है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में खाद्य संकट से प्रभावित देशों में बारह देश अफ्रीका से, एक कैरिबियन देश हैती व दो एशिया से अफगानिस्तान व यमन हैं। इस भुखमरी के मूल में जहां सशस्त्र संघर्ष, कर्ज का बोझ, बेरोजगारी व गरीबी का दायरा है, वहीं कुशासन की भी बड़ी भूमिका है। निस्संदेह, पहले कोरोना महामारी और फिर यूक्रेन संकट ने इस विभीषिका को विस्तार ही दिया है। यही वजह है कि दुनिया के करीब तीन अरब लोग स्वस्थ व्यक्ति के लिये जरूरी खुराक जुटाने में असमर्थ हो गये हैं। यह संकट तथाकथित आधुनिक विकास के उस मॉडल पर सवालिया निशान लगाता है जो दुनिया में विज्ञान व तकनीक की क्रांति का दंभ भरता हुआ एकांगी विकास को बढ़ावा दे रहा है। एक तरफ समृद्धि व संपन्नता लहरा रही है तो दूसरी तरफ अरबों लोगों के जीवन में विपन्नता का अंधेरा गहरा होता जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि विभिन्न देशों की सरकारें आर्थिक विसंगतियां दूर करने को ईमानदार प्रयास क्यों नहीं करती। इस संकट को दूर करने के लिये कारगर रणनीति क्यों नहीं बनती , जिसके चलते भुखमरी व कुपोषण का संकट विकराल रूप में उपस्थित होता है। विश्व में करीब तीन अरब लोगों का स्वस्थ जीवन के लिये जरूरी खुराक न जुटा पाना इसकी बानगी है। हालांकि, पहले से जारी संकट को बढ़ाने में कोरोना संकट के दौरान उपजी महंगाई की बड़ी भूमिका है, लेकिन इसके मूल में सत्ताधीशों की काहिली भी है। कहना कठिन है कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिये लागू किये गये कठोर उपायों से कितना संक्रमण रुका,लेकिन गरीबी की दलदल को इसने जरूर बढ़ा दिया। सवाल उठता है कि विभिन्न वैश्विक संस्थाएं व इन मामलों के विशेषज्ञ गरीबी-भुखमरी दूर करने के लिये दूरगामी रणनीति क्यों नहीं तैयार करते। यही वजह है कि इस संकट से निबटने के लिये बनायी रणनीतियां व्यावहारिक धरातल पर कारगर साबित नहीं हो रही हैं। व्यवस्था के छेद व भ्रष्टाचार इस संकट को सींच रहे हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि कुदरत ने हर व्यक्ति का पेट भरने का इंतजाम किया है लेकिन संसाधनों के अन्यायपूर्ण बंटवारे ने गरीबी-भुखमरी को जन्म दिया है। पहले उपनिवेशवाद,फिर साम्राज्यवाद और अंतत- विकसित देशों के हितों के मद्देनजर बनी वैश्विक अर्थव्यवस्था ने अमीरी-गरीबी की खाई को लगातार चौड़ा किया है। कोरोना संकट में भारत तथा विदेशों में गरीबी का विस्तार और अरबपतियों की संख्या में इजाफा इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था का सच है। जरूरी है कि उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का नियोजन करके खाद्य असुरक्षा व भुखमरी के खिलाफ युद्ध छेड़ा जाये। कैसी विडंबना है कि धरती पर खाद्य असुरक्षा व भुखमरी का आलम है और संपन्न देश दूसरे ग्रहों पर जीवन तलाश रहे हैं।

आज के कार्टुन

स्वर्ग-नर्क

जग्गी वासुदेव

पूरी दुनिया में, मानव समाज पर नियंत्रण करने के लिये स्वर्ग और नर्क की धारणाएं फैलाई गई हैं। जब वे समझ नहीं पा रहे थे कि लोगों पर व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से कैसे काबू पाया जाए तो उन्होंने यह तरकीब निकाली,'अगर हम तुम्हें अभी सजा नहीं दे सकते, तो हम तुम्हें वहां पकड़ लेंगे। आपके अच्छे कामों के लिए अगर हम आपको यहां ईनाम नहीं दे सकते, तो हम आपको वहां ईनाम देंगे'। लेकिन अगर सत्य अस्तित्व की वास्तविकता से थोड़ा सा भी अलग है तो वहां जाने का कोई मतलब नहीं है। जब हम कहते हैं,'असतो मा सद्गमय' तो इसका अर्थ है, 'असत्य से सत्य की ओर यात्रा'। वास्तव में यह कोई यात्रा नहीं है। यात्रा शब्द से ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई दूरी पार करनी है पर असलियत में कोई दूरी पार नहीं करनी होती। 'जानना' दूर नहीं है, क्योंकि आप को जो जानना है वो कहीं दूर पर्वत के शिखर पर नहीं है, वह आप के अंदर ही है। पहली बात जिसे योग नकारता है, वह है-स्वर्ग और नर्क। जब तक स्वर्ग और नर्क की मान्यता है, तब तक भीतरी खुशहाली की तकनीकों और मुक्ति की ओर बढ़ने की प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आखिरकार आप इन दो जगहों में से ही कहीं जाएंगे-या तो एक बुरी जगह या एक अच्छी जगह। अगर आपको किसी तरह से अच्छी जगह जाने का टिकट मिल जाता है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है कि आप कैसे जी रहे हैं। मानवता के इतनी बुरी तरह से जीने का एक मुख्य कारण ये है कि इसमें उन्हें धर्म की मदद मिली है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या करते हैं, अगर आप बस ये, ये और ये मानते हैं, तो आपका स्वर्ग जाने का टिकट पक्का है। आप के अंदर जो स्वर्ग और नर्क काम कर रहे हैं, अगर आप उनका नाश नहीं करते तो फिर आप किसी भी प्रकार से सत्य की ओर नहीं बढ़ सकते। फिलहाल, आप का शरीर और मन आप के अंदर ही स्वर्ग या नर्क बना सकते हैं। उनमें ये दोनों ही बनाने की योग्यता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां हैं, वे स्वर्ग या नर्क का निर्माण कर ही रहे हैं। आप के मन की अंतर करने की क्षमता का स्वभाव ऐसा है कि जब आप अपने अंदर नर्क का निर्माण करते हैं और फिर जब यह ज्यादा ही यातना देने लगता है तब आप इसे थोड़ा वापस खींच लेते हैं।

ओम गुरु परमात्मा नमः

(गुरु पूर्णिमा पर विशेष) (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

जब मनुष्य का जन्म होता है तब वह अबोध होता है।उसे प्रथम ज्ञान का बोध माता कराती है तो व्यवहारिक ज्ञान पिता देता है जबकि शैक्षणिक ,अध्यात्म व नैतिक ज्ञान गुरु से मिलता है।इसीलिए इस लौकिक जगत में मानव शरीर धारण किए हुए किसी सद्पुरुष को गुरु रूप में मानने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।भक्ति मार्ग में किसी सिद्ध पुरूष ऋषि,संत, महात्मा, ज्ञानी को गुरु बनाने का चलन है।जबकि ज्ञान मार्ग या फिर रूहानियत की दृष्टि से देखे तो एक मात्र परमात्मा ही हमारा गुरु है,वही परमपिता है और वही शिक्षक और पालनहार भी है। ' गुरू' शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'भारी '। यानि जो ज्ञान ,संस्कार,ध्यान, धारणा व पुरुषार्थ में हमसे भारी अर्थात श्रेष्ठ हो,वही गुरु बनने लायक है।ऐसे गुरु अपनी तपस्या से स्वयं को सिद्ध कर कर देते है तथा वे अपनी रूहानियत व चेहरे पर तेज की दृष्टि से आध्यात्मिक क्षेत्र में सिद्ध पुरूष रूप में प्रतिष्ठित होते है। जो ज्ञान से भारी है,वही गुरु है और गुरु ज्ञान स्वयं में एक ऐसा अथाह सागर है जिसकी थाह ले पाना भी आसान नही है। गुरू शब्द जिसके सामने लग जाता है उसे अन्यो से श्रेष्ठतम और विशिष्ठतम बना देता है। यथा गुरूत्वाकर्षण ,गुरूज्ञान आदि।चूंकि गुरु भी श्रेष्ठतम महापुरूष होते है।इसी कारण गुरु के नाम से गुरु धाम भी प्रतिष्ठा सम्पन्न हो जाता है। गुरू को पौराणिक साहित्य में इतनी महत्ता दी गई कि उसे ही विष्णु,उसे ही ब्रहमा और उसे ही महेश्वर कहा गया है। गुरु देवता तूल्य होता है। गुरु की इस तुलना का अर्थ मात्र गुरू का महिमा मण्डन करना नही है। कई मायनो में गुरु भी ब्रहमा, विष्णु व महेश के समतूल्य होते है क्योकि गुरु ही वह शक्ति है जो अपने शिष्यो और अनुयायियों को ब्रहमा, विष्णु और महेश से मिलाने के लिए ,उन्हे आत्मसात करने का मार्ग बताते रहे। तभी तो प्रभु शरणम से पहले गुरु शरणम का प्रचलन है । अपने जमाने के युगप्रर्वक संत कबीर दास ने गुरू के सच्चे रूप और कार्य का वर्णन अपने एक दोहे में किया है। गुरू गोविन्द दोउ खडे काके लागू पाये,बलिहारी गुरू आपनो गोविन्द दियो बताए। यानि गुरू और गोविन्द दोनो खडे हो और पहले पैर किसके छूयें को लेकर संशय हो तो पहले गुरू के पैर छूने चाहिए क्योकि गुरू ही वह माध्यम है जो गोविन्द से मिलने का मार्ग बताता है। कई बार गुरू और अध्यापक को एक दूसरे का पर्याय मान लिया जाता है। परन्तु यह ठीक नही है। गुरू और अध्यापक एक नही हो सकते। अध्यापक अधिकाशत भौतिक विधाएं सिखाता है। लेकिन गुरू मनुष्य रूपी शिष्य को पूर्ण रूपेण आध्यात्मिक विकास व समग्र कल्याण के लिए तैयार करता है। उसी प्रकार गुरु अपने भक्तों को परमात्मामय बनने का रास्ता दिखाकर अपने भक्तों पर उपकार करते रहे है। गुरु की प्ररेणा से ही देश दुनिया को परमात्मा का सद सन्देश मिलता है और इस पुनीत कार्य मे गुरु ही सफल सिद्ध हो रहे है। गुरु की सोच है कि ,मनुष्य जीवन का उददेश्य है जीवन मरण के चक्र से निकलना और अपने कर्मो को भोगकर मोक्ष प्राप्त करना होता है। मोक्ष प्राप्ति की इस प्रक्रिया में गुरू की भूमिका बहुत बडी है। गुरू अच्छे बुरे का ज्ञान कराता है। साथ ही अनेक भौतिक विधाओं का ज्ञान देता है। गुरू ही वह व्यक्ति है जो सत्य और असत्य के बीच का अन्तर समझाकर अपने शिष्य को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जब तक मनुष्य अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण कर प्रभु प्राप्ति के पथपर अग्रसर नही होता, तब तक गुरू उसे निरंतर निर्देश देकर उसे अपने उददेश्य की सतत याद दिलाता रहता है।ताकि शिष्य गुरू की इच्छा के अनुरूप जीवन के सन्मार्ग पर चलकर गुरू को अमरत्व प्रदान कर सके। इसी तरह वैदिक दर्शन में गुरू को एक चेतन देवता माना गया है। माता, पिता,पति, पत्नि,आचार्य इन सभी को चेतन देवता कहा गया है। मनुष्य के उपर इन पांचो देवताओं तथा जल, वायु ,अग्नि, वनस्पति आदि जड देवताओं का कर्ज होना माना गया है। आचार्य कर्ज मुक्ति के लिए उनके द्वारा दिये गए ज्ञान को जीवन में उतारना और दूसरो में बांटना जरूरी है। मनुष्य के लिए आवश्यक है कि सभी जड और चेतन देवताओं के साथ साथ आचार्य कर्ज भी इसी जीवन में उतारे।जिसके लिए गुरू पूर्णिमा जैसे अवसरों पर गुरू दक्षिणा देकर गुरू पथगामी बना जा सकता है। इससे गुरु के प्रति श्रद्धा तो बढती ही है गुरू का आर्शीवाद भी अपने शिष्यों पर बना रहता है। गुरू का भारतीय समाज में एक विशिष्ट स्थान है। गुरू ही बालक में संस्कार भरकर उसे एक ऐसा मनुष्य बनाता है जो संस्कारो, विधाओं और विचारो से परिपूर्ण हो। इस समाज को ऐसे ही गुरू की आवश्यकता है जो विधाविभूषितकर कल्याण के मार्ग का पथिक बना सके। ऐसे ही गुरू समाज को अपनी दिव्य ज्ञान ज्योति से प्रकाशमान करते है। गुरु को भगवान से भी ऊंचा दर्जा प्राप्त हैं क्योंकि गुरु ही हमें अज्ञानता के अंधेरे से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। इस दिन आदिगुरु महाभारत के रचयिता और चार वेदों के व्याख्याता महर्षि कृष्ण द्वैपायन व्यास अर्थात महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। महर्षि व्यास संस्कृत के महान विद्वान थे। महाभारत महाकाव्य उनके द्वारा ही लिखा गया । सभी 18 पुराणों के रचयिता भी महर्षि वेदव्यास ही है। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। भारत में सभी ऋतुओं का अपना ही महत्व है. गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु में ही क्यों मनाया जाता है। इसका भी एक कारण है. क्योकि इन चार माह में न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी होती है. यह समय अध्ययन और अध्यापन के लिए अनुकूल व सर्वश्रेष्ठ है. इसलिए गुरुचरण में उपस्थित शिष्य ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति को प्राप्त करने हेतु इस समय का चयन करते हैं. जीवन में जिस तरह नदी को पार करने के लिए नाविक की आवश्यकता होती है, वाहन में यात्रा करते समय चालक की, उपचार कराते समय चिकित्सक की आवश्यकता होती है। ठीक इसी प्रकार जीवन को सफल बनाने के लिए एक गुरु की आवश्यकता होती है ।गुरु के मिल जाने पर गुरु पर आजीवन विश्वास करना होता है। ऐसा इसीलिए क्योंकि गुरु की अग्नि भी शिष्य को जलाती नहीं है अपितु उसे सही राह दिखाने का काम करती है। यदि आप गुरु पूर्णिमा पर किसी को अपना गुरु बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले खूब सोच-विचार कर लें क्योंकि जीवन में गुरु सिर्फ एक बार बनाया जाता है, बार-बार नहीं । गुरु बनाने से पहले कबीरदास के इस दोहे पर जरूर गौर कर ले, 'गुरु कीजिए जानि के, पानी पीजै छानि । बिना विचारे गुरु करे, परे चौरासी खानि॥' अर्थात जिस तरह पानी को छान कर पीना चाहिए, उसी तरह किसी भी व्यक्ति की कथनी-करनी जान कर ही उसे अपना सद्गुरु बनाना चाहिए। सद्गुरु ऐसा होना चाहिए जिसमें किसी भी प्रकार का लोभ न हो , मोह-माया न हो, भ्रम-संदेह से परे रहकर ही गुरु की शरणागत होना चाहिए।तभी हम अंधकार से मुक्त होकर ज्ञान का प्रकाश प्राप्त कर सकते है। काव्यात्मक रूप से सोचे तो, माता,पिता और गुरु का सदा करते रहो सम्मान तीनो ही हितचिंतक रहते बनाते स्वयं से सदा महान माता होती पहली गुरु देती दुनिया का आरम्भिक ज्ञान दूजे गुरु पिता पालक कराते हमको व्यवहारिक भान तीसरे गुरु शिक्षक ही होते देते विद्या ,बनाते गुणवान तीनो के ऋण उतार न पाओ सर्वस्व अर्पण चाहे कर आओ मन मे श्रद्धा ,व्यवहार मे आदर परमात्म सरीके तीनो को मान कारज सारे पूरे हो जाएँगे बन जाओंगे तुम ही महान।

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

'जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं '

(13 जुलाई गुरुपूर्णिमा के अवसर पर)
(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

प्रत्येक मानव को ही शिक्षा के लिए शिक्षक की जरुरत होती हैं। वास्तव में मानव बहुत कमज़ोर प्राणी होता हैं बनिस्बस्त पशुओं के। पशु जन्म के कुछ समय बाद अपने बल पर चलने फिरने ,दौड़ने लगता हैं और न उसे कोई सिखाता हैं वह अपने अनुभव से सीखता जाता हैं। मनुष्य के जन्म के समय से उसके लालन पालन में बहुत ध्यान रखना पड़ता हैं और उसकी प्रथम शिक्षक माँ होती हैं। धीरे धीरे उसके ऊपर पिता ,भाई बहिन ,परिवार का प्रभाव पड़ता हैं उसके बाद स्कूली शिक्षा में उसके ऊपर टीचर का प्रभाव पड़ता हैं। यह बहुत कच्ची उम्र होती हैं इस समय उसमे सबसे अधिक ग्रहणशीलता होती हैं और वह प्रत्येक कृत्य बहुत सूक्ष्म या कुशाग्र बुद्धि से ग्रहण कर करता है या कर लेता हैं ,और उसका प्रभाव उसके कोरे मन पर अमिट छाप छोड़ता हैं। इस समय स्कूली शिक्षा का प्रभाव बहुत गहरा होता हैं। स्कूल में सभी प्रकार के बच्चे आते हैं उनसे वह बहुत जल्दी बुराईयां सीखता हैं और अप्रतक्ष्य में गुरु या शिक्षक या टीचर का प्रभाव उस पर पड़ता हैं। इस समय हमें बच्चों के क्रियाकलापों पर बहुत सावधानी से निगरानी कर उन्हें उचित मार्गदर्शन देना चाहिए.

स्कूली और कॉलेज शिक्षा का असर /प्रभाव से ही उसकी नींव /आधार /दिशा तय होती हैं। इसी बिंदु से उसकी दिशा और दशा तय होती हैं। वह नौकरी। व्यवसाय ,धार्मिक ,राजनैतिक सामाजिक ,साहितियक आदि क्षेत्रो में जाता हैं और वह किसी को अपना आदर्श मानता है । विशेष कर धार्मिक क्षेत्र व सामाजिक क्षेत्र में तो एक गुरु की जरुरत नितांत होती हैं। जीवन मूल्यों के रख रखाव के साथ जब वह समस्यायों से घिर जाता हैं ,चक्रव्यूह की तरह तब उसे कोई मार्गदर्शक की जरुरत पड़ती है उस समय वह गुरु की खोज शुरू करता हैं। गुरु की खोज के पहले वह गुरु की परीक्षा लेता हैं और गुरु शिष्य की परीक्षा लेते हैं और जब शिष्य में एक समर्पण भाव ,निष्ठां भाव ,आता हैं और वह देखता हैं की गुरु सम्मान ,अपार ज्ञान ,शुचिता और दृढ चरित्र के कारण वह अंगीकार करता हैं।

शिष्य गुरु परमपरा बहुत प्राचीन और सम्म्रद्धशाली थी और आगे भी रहेंगी। वर्तमान में तो गुरुओं की बहुलता हैं। शिष्य वह होता हैं ,जो गुरु के चरणों में स्वयं को पूर्ण रूप से समर्पित कर दे या स्वयं को अर्पण करदे. जो उसकी सारी इच्छाओं को गुरु की इच्छा में समा दे। खुद का कोई अस्तित्व ही बाकि न रखे। ऐसा शिष्य ,जिसकी सारी इच्छाएं गुरु के विश्वास पर समर्पित हो जाये। जो अपने अंतर में दृढ हो और अपनी महत्वाकांक्षाएं का त्याग कर अपने गुरु की आज्ञा और सलाह को फूल की तरह शिरोधार्य करे।

वैसे शिष्य की परीक्षा या परख गुरु इस प्रकार लेते हैं ==

1 उसमे कितनी मानवीय सम्वेदनाये हैं। 2 आज्ञाकारिता अपने गुरु की अक्षरसः पालन करना, हर आज्ञा को स्वीकार करना उसका जीवन धेय्य होता हैं। गुरु शिष्य को सेवा करने का आदेश देता हैं। कठिन परीक्षाओं से वह पवित्र बन सके गुरु जानता हैं की कच्चे फल को पकने के लिए सूर्य की ताप और छाँव की जरुरत हैं। इससे शिष्य बाहरी जीवन में संयोग और वियोग का महत्व समझ सकता हैं और उसे बाहरी सहायता कर आंतरिक रूप से ऊँचा उठाता हैं. 3 सेवा या श्रमदान आत्मिक विकास एक लम्बी प्रक्रिया हैं इसमें समय लगता हैं यह समय ही अनुभव की कसौटी होती हैं। विन्रमता का भाव उसमे विशेष होता हैं और वह सहायक होता हैं। गुरु आज्ञा का पालन बिना किसी तर्क या शंका के करना पड़ता हैं या चाहिए. शिष्य को आज्ञा पालन में प्रसन्नता ,पवित्रता और संतोष का भाव होना चाहिए और गुरुआज्ञा को ईश्वर आज्ञा मानता हैं। आर्थर मिलर के अनुसार इस सृष्टि के विनाश का कोई भौतिक कारण नहीं हो सकता। यह प्रक्रिया आतंरिक या ब्रह्मांडीय कारणों से होगी।

जिसके अंतर में ज्ञान की प्यास जग उठती हैं ,उसे ही सच्चे गुरु की आत्मिक प्यास होती हैं। गुरु के सम्मुख उसका अहंकार तिरोहित हो जाता हैं /नाश हो जाता हैं। यह दुनिया दुखों का संसार हैं इससे तरने के लिए गुरु की ही जरुरत हैं ,जो हमारा हाथ पकड़ कर हमें उस लोक में पहुंचा दे। यह सब गुरु कृपा से ही संभव होता हैं। ज्ञान उसी को मिलता हैं जिसके मन में श्रद्धा होती हैं।

गुरु न केवल एक शिक्षक हैं ,वरन हमारा अंतर्मन उज्जवल और पवित्र करने वाला होता हैं। वह न केवल मार्गदर्शक हैं ,पर आध्यतमिक पथ पर हमारा संरक्षक हैं ,वे आंतरिक उन्नति हासिल करने में हमारी सहायता करते हैं। इस प्रकार गुरु का वर्णन ईश्वर के वर्णन के समान हैं ।

हर समय गुरुओं का समादर माँ पिता से ऊपर रहा हैं। राजा का उपकार सांसारिक होता हैं पर गुरु का उपकार तीनों लोक के उद्धार के लिए होता हैं ,गुरु परम्परा तो हमेशा रही। पर सबसे आदर्श गुरुभक्ति की अनूठी परम्परा का जन्मदाता एकलव्य को भी माना जाता हैं। वर्तमान में श्रेष्ठतम गुरु आचार्य विद्यासागर जी भी हैं ,मैं सभी गुरुओं के चरणों में अपने श्रद्धासुमन समर्पित करते हुए केवल हुरु ही हमारे तथा प्रभु के बीच की बाधाओं को तोड़ सकते हैं।

सब गुरु अपने आप में श्रेष्ठ हैं और सब जीव गुरु होने की पात्रता रखते हैं बस जरुरत हैं शुचिता ,श्रेष्ठ समर्पण की। और अपनी अज्ञानता को उजागर करने की जिससे ज्ञान का बोध मिल सके।

सू-दोकू नवताल -2164

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

सू-दोकू -2163 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2164

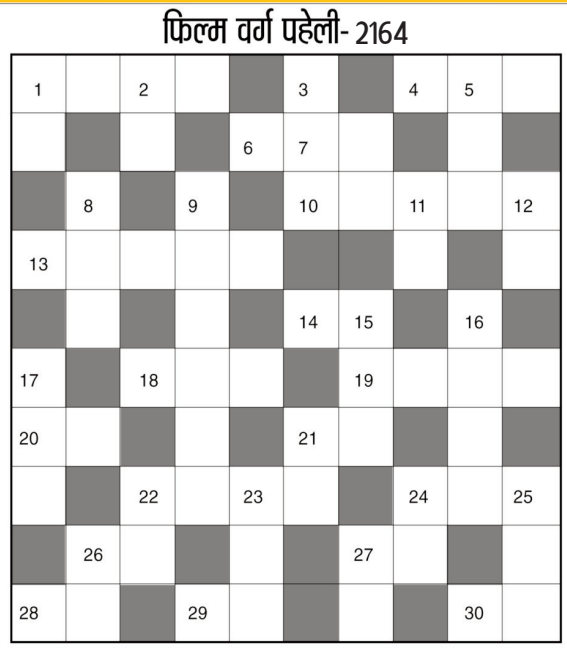

बायें से दायें:-

1. 'चलो इक बार फिर से अजनबी बन जाएं' गीत वाली सुनील दत्त, माला सिन्हा की फिल्म-4
4. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'पंख होते जो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत और संध्या की फिल्म-6
10. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'आंखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है आता है जाता है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-5
14. 'बम चिकी चिकी बम' गीतवाली फिल्म-2
18. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की फिल्म- 4
20. 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म 'कोहराम' की नायिका कौन थी ?-2
21. मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ये गलियां ये चौबारा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जिंदगी प्यार का गीत है' गीत वाली फिल्म-3
26. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली फिल्म-2
27. शाहिद कपूर, करीना कपूर अभिनीत फिल्म-2
28. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी अभिनीत फिल्म-2
29. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
30. 'सपनों का सौदागर' फिल्म की नायिका-2

ऊपर से नीचेः-

1. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
2. फिल्म 'बेमिसाल' में अमिताभ के साथ नायिका कौन थी ?-2
3. अक्षय कुमार, रवीना, पूनम झवेर की फिल्म-3
5. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-3
7. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी देओल, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते रहे सारी रात हम' गीत वाली फिल्म-2,1,3
11. अमिताभ, वहीदा, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
12. फिल्म 'निकाह' के संगीतकार कौन थे-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली फिल्म-4
17. 'तेरी ये बिंदिया बोले' गीतवाली फिल्म-3
21. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
22. संजय, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
24. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीतवाली फिल्म-2
25. फिल्म 'हस्ती' की नायिका कौन थी ?-3
26. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'हर एक घर में दिया' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2163

बा	बु	ल		आ	म	ने	सा	म	ने
बू		गा	य	ब		हा		स्ता	
	जा	न		रू	ल्स		कि	ना	श
जा	ल		डॉ			मे	ला		म
	सा	व	न		आ	ह		श	जा
न	ज	र		चां		बू	म		ने
या		दा	मा	द		बा	जा	र	
ज	मी	न		नी	तू		ल	की	र
मा	ना		रे		फा			ब	
ना		रे	ड		न	सी	ब		मां

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट दुनिया भर के बाजारों में बिकवाली हावी रहने से घरेलू बाजार पर पड़े दबाव के कारण आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 508.62 अंक करीब 0.94 फीसदी नीचे आकर 53,886.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 570.26 अंक तक नीचे आया। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 157.70 अंक तकरीबन 0.97 फीसदी की गिरावट के साथ ही 16,058.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे नीचे आये हैं।

वहीं दूसरी ओर एनटीपीसी, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस के शेयर उछले हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 170.51 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे थे। दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट पर बंद हुआ। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट हावी रही। अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले सुबह भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

इससे निवेशक में बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स सुबह 175 अंकों के नुकसान के साथ 54,220 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 90 अंक नीचे आकर 16,126 पर खुला। बाजार में आई इस गिरावट से निवेशकों ने निकासी शुरु कर दी जिससे बाजार और गिरने लगा। कारोबार के दौरान सभी क्षेत्रों के शेयरों में आज गिरावट रही। सबसे ज्यादा नुकसान निफ्टी मेटल में हुआ। यह शुरुआती कारोबार में ही 2 फीसदी गिरा।

इसके अलावा रियल्टी, एफएमसीजी और वित्तीय सेवाओं के शेयरों में भी 0.5 फीसदी का नुकसान हुआ। स्पेनडेनी के शेयर 5 फीसदी गिरे जबकि एनएमडीसी के शेयर चार फीसदी गिरे।

सोने, चांदी में उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने ओर चांदी की कीमतों में उछाल आया है। मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 15 रुपये ऊपर आकर 50,581 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,566 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी 648 रुपये नीचे आकर 56,120 रुपये प्रति किलोग्राम पर खिसक गई। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 56,768 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों 1,734 डॉलर प्रति औंस और 18.90 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है पर देश में सरकारी तेल कंपनियों ने अभी तक कीमतें में बदलाव नहीं किया है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल अब भी 96.72 रुपये लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 109.27 रुपये और डीजल 95.84 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

महिंद्रा कंपनी एक्सयूवी 700 डीजल मॉडल को कर रही रिकॉल

नई दिल्ली । देश की मशहूर भारतीय कार विनिर्माता कंपनी महिंद्रा की एसयूवी महिंद्रा एक्सयूवी 700 लोगों को खूब लुभा रही है। लॉन्च के बाद से ही ग्राहक इसे खूब पसंद कर रहे हैं और इस कार की डिमांड का आलम ये है कि कंपनी को ग्राहकों की मांग पूरी करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस कार के कई मॉडल के लिए वेटिंग पीरियड बहुत लंबा है। कुछ वेरियंट्स के लिए तो ग्राहकों को 2 साल तक का इंतजार करना पड़ रहा है। इस कार को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी एक्सयूवी 700 एडब्ल्यूडी मॉडल को रिकॉल कर रही है। एक्सयूवी 700 एडब्ल्यूडी डीजल इंजन के साथ आता है। कंपनी ने अभी तक कितनी यूनिट्स रिकॉल की हैं इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। एक्सयूवी700 एडब्ल्यूडी मॉडल के इंजन को रियर एक्सल से जोड़ने वाले प्रोपेलर शाफ्ट में खामी की वजह से कंपनी इस मॉडल को वापस बुला रही है। अगर आपको ज्यादा जानकारी चाहिए तो एडब्ल्यूडी वेरिएंट वाले ग्राहक अपने नजदीकी महिंद्रा सर्विस स्टेशन से संपर्क कर सकते हैं। बात करें इस कार की खूबियों की तो वेरिएंट के आधार पर, एक्सयूवी700 में एक ऑप्शनल ऑल-व्हील-ड्राइव सिस्टम भी मिलता है और साथ ही इसमें सोनी सराउंड साउंड सिस्टम, 360-कैमरा सेटअप, एक ड्राइवर-साइड नी एयरबैग, ब्लाइंड-स्पॉट मॉनिटरिंग, वायरलेस फोन चार्जिंग, और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। एसयूवी में बड़ा पेनॉरैमिक सनरूफ भी दिया गया है जिसे स्काई रूफ भी कहा जाता है। इंटीरियर में डुअल एचडी स्क्रीन दी गई है, जिसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 10.25 इंच का ड्राइवर डिस्प्ले एक साथ मिलता है। साउंड क्वालिटी की बात करें तो इसमें 12 स्पीकर्स के साथ 3डी साउंड टेक्नॉलजी का इस्तेमाल किया गया है। एक्सयूवी700 में दो इंजन ऑप्शन मिलते हैं जिसमें 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर डीजल इंजन के विकल्प शामिल हैं। कार में 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर और 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है। इसका पेट्रोल इंजन 200 पीएस की पावर और 380 एनएम का टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है वहीं, डीजल इंजन 185 पीएस की पावर और 450 एनएम तक का टॉर्क जेनेरेट कर सकता है। डीजल इंजन के साथ जिप, जैप और जूम तीन ड्राइव मोड भी मिलते हैं।

बॉश कंपनी आगामी पांच सालों में भारत में करेगी 200 करोड़ रुप से ज्यादा का निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर ऑटोमोबाइल कलपुर्जों के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित बॉश लिमिटेड अगले पांच वर्षों में भारत में उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों और डिजिटल मोबिलिटी खंड में 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी के प्रबंध निर्देशक सौमित्र भट्टाचार्य ने वित्त वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से यह बात कही। भट्टाचार्य, जो बॉश ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि कंपनी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान दो अंकों की वृद्धि को लेकर आशावादी है। उन्होंने बताया कि दुनिया आपूर्ति श्रृंखला संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से गुजर रही है, जिसमें चिप की लगातार कमी, चीन में लॉकडाउन, यूक्रेन-रूस युद्ध और भू-राजनीतिक बदलाव शामिल हैं। भट्टाचार्य ने कहा, 'इसके परिणाम स्वरूप दुनिया में उच्च मुद्रास्फीति देखने को मिल रही है। इसका असर हमने ब्याज दरों पर देखा है और इसने मंदी की आशंका के साथ अर्थव्यवस्था को धीमा कर दिया है।' भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने कहा, 'हम भविष्य में निवेश कर रहे हैं...बॉश लिमिटेड अगले पांच वर्षों में उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों और डिजिटल मोबिलिटी खंड में भारत में 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी।' बॉश लिमिटेड के अध्यक्ष मार्कस बामबर्गर ने कहा कि कंपनी वैश्विक कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार है और मजबूत ऑर्डर बुक के साथ उसके पास इलेक्ट्रोमोबिलिटी में एक मजबूत उत्पाद श्रृंखला है।

गौतम अडानी की नेटवर्थ में 6.94 अरब डॉलर का इजाफा, दुनिया के पांचवे सबसे रईस

मुंबई ।

भारत और एशिया के सबसे बड़े अमीर कारोबारी गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सोमवार को अडानी की नेटवर्थ में 6.94 अरब डॉलर (करीब 55 हजार करोड़ रुपये) का इजाफा हुआ और इसके साथ ही वह 108 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस साल अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में 31.9 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। अडानी इस साल टॉप 10 में कमाई करने वाले एकमात्र रईस हैं। बाकी सभी अमीरों की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। अडानी ग्रुप की सात कंपनियां लिस्टेड हैं। इस बीच अडानी ग्रुप अपनी सहयोगी कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के द्वारा 5जी की नीलामी में हिस्सा लेगा। इस कंपनी की नेटवर्थ 248.35 करोड़ रुपये है। यह कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। अडानी डेटा नेटवर्क्स को गुजरात सर्किल में आईएलडी, एनएलडी और आईएसपी-बी ऑथराइजेशन के साथ यूनिफाइड लाइसेंस के लिए डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशंस ने लेटर ऑफ इंटेट जारी किया है। नीलामी के नियमों के मुताबिक बोली लगाने वाली कंपनियों को अपने मालिकाना हक के बारे में विभाग को जानकारी देनी पड़ती है।

उधर देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर बने हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 1.04 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। वह 86.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 3.64 अरब डॉलर की कमी आई है। इस बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 11.8 अरब डॉलर की गिरावट आई। सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर के साथ 44 अरब डॉलर की डील से किनारा करने के कारण टेस्ला के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। वह 215 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप पर हैं। अमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 135 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। फ्रांसीसी बिजनसमैन और दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी के बर्नार्ड आरनॉल्ट 120 अरब डॉलर) तीसरे और माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स (115 अरब डॉलर) चौथे नंबर पर हैं।

आरबीआई ने रुपए में आयात-निर्यात सेटलमेंट को दी मंजूरी, डॉलर पर घटेगी निर्भरता, रुपए का अवमूल्यन रुकेगा

नई दिल्ली ।

आरबीआई ने भारतीय आयातकों और निर्यातकों को भारतीय रुपए में कारोबार करने की इजाजत दे दी है। भारतीय रिजर्व बैंक के इस फैसले से दो महत्वपूर्ण फायदे होंगे। एक तो केंद्रीय बैंक के इस फैसले से डॉलर की मांग पर लगाम लगेगी और इससे रुपए के अवमूल्यन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों की मानें तो दूसरा लाभ यह हो सकता है कि रूस और ईरान जैसे देश जिन पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा है, उनके साथ भी देश के आयातक और निर्यातक सहूलियत के साथ कारोबार कर सकते हैं। सोमवार को आरबीआई ने बैंकों से कहा कि वे भारतीय रुपये में आयात और निर्यात के लिए अतिरिक्त व्यवस्था कर लें। केंद्रीय बैंक के अनुसार रुपए में वैश्विक कारोबारी समुदाय की दिलचस्पी बढ़ रही है। आरबीआई ने अपने सर्कुलर में कहा है कि रुपए में आयात-निर्यात की प्रणाली व्यवस्थित करने से पहले बैंकों को फॉरेन एक्सचेंज डिपार्टमेंट से अनुमति लेनी होगी।

एफआईईओ के प्रेसिडेंट ए शक्तिवेल ने कहा कि पहली बार दुनिया के किसी भी देश के साथ भारतीय रुपये में कारोबार करने की इजाजत दी गई है। अभी तक ईरान जैसे एकाध देश के साथ इस तरह की व्यवस्था थी। नई अधिसूचना से रूस समेत किसी भी देश के साथ भारतीय निर्यातक अब रुपये में कारोबार कर सकेंगे। इसका सकारात्मक असर होगा। फियो के सीईओ और महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि यह भारतीय रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। अभी कई देशों के पास अभी डालर का भंडार नहीं है, ऐसे देश भारत के साथ रुपए में ही कारोबार करेंगे। इससे रूस के साथ कारोबार को बढ़ाने का माहौल बनेगा। आरबीआइ के इस फैसले की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारतीय कारोबारी इसे कितना अमल में लाते हैं क्योंकि पूर्व में भी आरबीआई की तरफ से रुपये में कारोबार करने को लेकर मिले प्रोत्साहन को उन्होंने खास तवज्जो नहीं दी है। लोकप्रियता व कीमत की वजह से वे डालर में ही कारोबार करना

पसंद करते हैं। आरबीआइ की तरफ से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि वैश्विक कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ाने और वैश्विक समुदाय में भारतीय रुपये में कारोबार करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए आयात और निर्यात का सेटलमेंट भारतीय रुपये में ही करने की इजाजत दी जा रही है। इसके तहत भुगतान का सेटलमेंट करने से पहले अधिकृत डीलरों (एडी) को आरबीआइ की केंद्रीय शाखा स्थित विदेशी मुद्रा विभाग से अनुमति लेनी होगी।

यूएन बोला- युद्धग्रस्त यूक्रेन के चलते भारत से वाणिज्यिक गेहूं का निर्यात यमन के लिए आपूर्ति का अहम जरिया

जिनेवा । वैश्विक निगरानी संस्था संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को देखते हुए भारत से वाणिज्यिक गेहूं का निर्यात यमन के लिए आपूर्ति का एक अहम जरिया बन कर सामने आया है। संयुक्त राष्ट्र में उप राहत प्रमुख ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (यूएनपी) प्रकाश गुप्ता ने यमन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक में कहा कि वैश्विक बाजारों में आपूर्ति में बदलाव को और खाद्य सुरक्षा पर उसके विपरीत प्रभाव को कम करने के लिए जरूरतमंद देशों को भारत वित्तीय सहायता और अनाज मुहैया करा रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत ने पिछले तीन माह में यमन को 2,50,000 टन से अधिक गेहूं निर्यात किया है।' मानवीय मामलों के लिए सहायक महासचिव एवं आपात राहत उप समन्वय जॉयसे सूया ने परिषद में अपने संबोधन में कहा कि भारत से गेहूं की खेप यमन के लिए आपूर्ति का अहम स्रोत बन रही है, खासतौर पर यूक्रेन में जारी युद्ध को देखते हुए। उन्होंने कहा, 'हम यमन और भारत सरकार के बीच भारत से गेहूं निर्यात करने को लेकर जो हालिया सकारात्मक बातचीत हुई है इससे भी उत्साहित हैं। यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर भारत से वाणिज्यिक गेहूं का निर्यात यमन के लिए एक अहम आपूर्ति स्रोत के रूप से उभरा है।' गुप्ता ने परिषद में अपने संबोधन में यमन को गेहूं उपलब्ध कराने में भारत के योगदान का जिक्र करने के लिए सूया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर हुदैदा बंदरगाह का नागरिक इस्तेमाल भी सुनिशचित किया जाना जरूरी है, क्योंकि ये बंदरगाह यमन में खाद्य पदार्थ और अन्य जरूरी वस्तुओं के आने का मुख्य मार्ग है। सूया ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए खतरा पैदा कर रहा है और इन्ही के जरिए यमन में खाद्य पदार्थ आते हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले वर्ष कुल गेहूं का आधा हिस्सा रूस और यूक्रेन से आया था। फरवरी में इस आपूर्ति के बंद होने से यमन ने अन्य स्रोत तलाशने शुरू किए।' गुप्ता ने अरब प्रायद्वीप में अलकायदा के हमले बढ़ने पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि यह संगठन यमन में शांति और स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा करता है।

चालू वित्त वर्ष में देश के निर्यात में उचित स्तर की वृद्धि होने की संभावना : गोयल

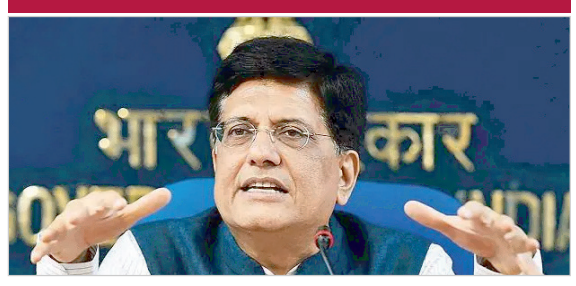

नई दिल्ली ।

देश के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस बात को लेकर आशान्वित है कि व्यापार के मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में देश के निर्यात में 'उचित स्तर' की वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वैश्विक मंदी के संकेत हैं और भारत सभी निर्यात संवर्धन परिषदों और बड़े निर्यातकों से बात करके घटनाक्रम पर सतर्क नजर रख रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मौजूदा वैश्विक स्थिति में 'हमारा निर्यात मूल्य प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता के आधार पर बढ़ेगा। हम जमीनी हकीकत के आधार पर निर्यात के अनुमानों को जांचेंगे।'

यह पूछने पर कि क्या मौजूदा परिस्थितियों में 2022-23 के लिए 450 अरब अमेरिकी डॉलर या 500 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के माल निर्यात का लक्ष्य महत्वाकांक्षी दिखता है, उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए अभी तक कोई अंतिम आंकड़ा या निर्यात लक्ष्य तय नहीं किया है और सभी हितधारकों से परामर्श के बाद इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, कोविड अभी खत्म नहीं हुआ है। भू-राजनीतिक स्थितियां अनुकूल नहीं हैं। दुनिया भर में मुद्रास्फीति चिंता का विषय है, पेट्रोलियम उत्पाद अभी भी उच्च स्तर पर हैं, खाद्य सुरक्षा चिंताएं भी हैं। हमें दुनिया के कई हिस्सों में उर्वरक की कमी की सूचना भी मिली है।' गोयल ने कहा, 'इस चुनौतीपूर्ण वक्त में सच्चाई यह है कि भारत ने खुद को संरचनात्मक रूप से तैयार किया है। निर्यात बढ़ाने के लिए हमारी बुनियादी तैयारी और क्षमता मजबूत हुई है। इसलिए पिछले साल के मुकाबले उचित स्तर की वृद्धि की उम्मीद है।'

कोरोना की वजह से इंडिगो कर्मचारियों की वेतन कटौती पर लगी रोक

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी इंडिगो विमान रखरखाव करने वाले अपने तकनीकी कर्मचारियों के वेतन को 'तर्कसंगत' करेगी और कोविड-19 महामारी के कारण तनख्वाह में की गई 'कटौती' अब समाप्त करेगी। कंपनी ने आंतरिक स्तर पर जारी ई-मेल में यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि बड़ी संख्या में एयरलाइन के रखरखाव तकनीकी कर्मचारी शनिवार और रविवार को हैदराबाद तथा दिल्ली में अपने वेतन के खिलाफ हड़ताल पर चले गए थे।

इसके बाद विमानन कंपनी ने यह निर्णय लिया गया है। इससे पहले दो जुलाई को इंडिगो की करीब 55 प्रतिशत घरेलू उड़ानें देरी से उड़ी थी। बड़ी संख्या में कंपनी के चालक दल के सदस्यों ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अवकाश लिया था। सूत्रों का कहना है कि कंपनी की कर्मचारी संभवतः एयर इंडिया के नियुक्ति अभियान में हिस्सा लेने गए थे। गौरतलब है कि इंडिगो ने कोविड-19 महामारी के अपने चरम पर होने के दौरान कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग के वेतन में कटौती की थी। इंडिगो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) एस सी गुप्ता ने सोमवार को विमान रखरखाव कर्मचारियों को इस संबंध में एक ईमेल भेजा। इसमें उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण इंडिगो समेत पूरा विमानन उद्योग पिछले 30 महीनों में एक अभूतपूर्व चुनौतीपूर्ण अवधि से गुजरा है। गुप्ता ने कहा मैंने कंपनी के नेतृत्व और हमारे मानव संसाधन समूह के साथ इसकी समीक्षा की है और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि महामारी के कारण होने वाली विसंगतियों को युक्तिसंगत बनाने पर हमारी सहमति बनी है।

अहमदाबाद की जेनसोल इंजीनियरिंग बनाएगी किफायती इलेक्ट्रिक कार

-कीमत बेगनआर के समकक्ष होगी

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ रही पर इनकी कीमतों को लेकर अभी भी लोग इन्हे खरीदने के बारे में सोचते है पर अब देश में सस्ती इलेक्ट्रिक कार बनाने के प्रयास शुरू हो गए हैं। अहमदाबाद की एक कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग ने दावा किया है कि वह करीब 6 लाख रुपये में ग्राहकों को इलेक्ट्रिक कार देने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए अमेरिका के एक स्टार्टअप का अधिग्रहण करने जा रही है। यह स्टार्टअप जेनसोल को इलेक्ट्रिक कार निर्माण के लिए टेक्निकल एक्सपर्टाइज देगा। भारत में फिलहाल सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार टाटा टिगोर है, जिसकी कीमत 12.4 लाख रुपये है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जेनसोल सोलर पावर का बिजनेस करती है। कंपनी ने पिछले शुक्रवार को निवेशकों को बताया कि इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए वह अमेरिका के एक इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाले स्टार्टअप का अधिग्रहण करेगी। जेनसोल ने न तो इस अमरिकी स्टार्टअप का नाम बताया है और न ही इस बात का खुलासा किया है कि इस अधिग्रहण के लिए वह कितना पैसा चुकाएगी। जेनसोल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनमलो सिंह जग्गी का कहना है कि भारत में सस्ती इलेक्ट्रिक कार की जरूरत है। यहां ऐसी कार चाहिए जिसकी कीमत 5-6 लाख रुपये हो। जग्गी का कहना है कि भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में बड़े बदलाव की जरूरत है। यह तभी हो सकता है कि जब देश में इलेक्ट्रिक कार 5 लाख रुपये से कम में बेची जाए। अभी भारत में टाटा टिगोर सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है। इसकी कीमत 12.4 लाख रुपये है। हाल में एमजी मोटर्स इंडिया ने कहा था कि वह 10-12 लाख रुपये में इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करेगी। बताया जाता है कि हुंदई भी कम कीमत में इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने का प्रयास कर रही है। अगर दुनिया की बात करें तो चीन में बिकने वाली वूलिंग होंगगुआंग मिनी ईवी अभी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है। इसकी कीमत 4,200 डॉलर यानि करीब 3.15 लाख रुपये है।

आईसीसी रैंकिंग: स्मृति मंधाना और राजेश्वरी गायकवाड टॉप-10 में पहुंची

दुबई (एजेंसी)।

श्रीलंका में क्रमशः गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने वाली स्मृति मंधाना और राजेश्वरी गायकवाड को वनडे रैंकिंग में फ़ायदा हुआ है और वे क्रमशः बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज हो गई हैं। वहीं श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू को भी अच्छे प्रदर्शन का लाभ हुआ है और वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 8वें स्थान पर हैं।

इससे पहले 2017 वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की विशाल पारी खेलने के बाद वह 8वें स्थान पर पहुंची थीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस वनडे सीरीज में 119 रन बनाए और दो विकेट भी झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। इस प्रदर्शन का फायदा उन्हें ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में मिला है और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर आ गई हैं।

मंधाना ने दूसरे वनडे में नाबाद 94 रन की पारी खेली थी और शेफाली वर्मा के साथ रिकॉर्ड 174 रन जोड़े थे। वहीं तीसरे वनडे में गायकवाड ने तीन विकेट लिए थे, जबकि हरमनप्रीत ने 75 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी लिया था। शेफाली वर्मा भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 33वें स्थान पर आ गई हैं जबकि तेज गेंदबाज मेघना सिंह को भी चार स्थान का फायदा हुआ है और वह गेंदबाजी की रैंकिंग में 43वें स्थान पर हैं।

इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन: अमरीका में रामकुमार का मिला-जुला प्रदर्शन

न्यू पोर्ट (अमरीका) (एजेंसी)।

भारत के रामकुमार रामनाथन ने न्यूजीलैंड के अपने साथी जे स्मिथ के साथ मिलकर मेक्सिको के हान्स हाक वीरडुगो और अमरीका के हंटर रीस को इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन के पुरुष युगल प्री-क्वार्टरफाइनल में मात दी, हालांकि एकल फाइनल क्वालीफाइंग राउंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। रामकुमार और स्मिथ की जोड़ी ने सोमवार को 665,330 डॉलर इन्फोसिस हॉल ऑफ फेम ओपन में वीरडुगो और रीस को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराया। दूसरी ओर, एकल प्रतियोगिता में उन्हें अमेरिका के विलियम ब्लमबर्ग के हाथों 6-3, 5-7, 4-6 से शिकस्त मिली। इसी बीच सातवीं सीड खिलाड़ी फ्रांस के आर्थर फिल्स ने भारत के सुमित नागल को अमेर्सफूर्ट में वान मोसेल किया डच ओपन में 6-1, 6-4 से मात दी। 53,120 डॉलर में जॉर्जिया के रोम चैलेंज (अमरीका) के दूसरी वरीयता प्राप्त माइकल पेरवोलाराकिस ने दूसरे दौर के क्वालीफाइंग मैच में सातवीं वरीयता प्राप्त मुकुंद शशिकुमार को 6-3, 4-6, 6-3 से हराया।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर, भारत और पाकिस्तान के बीच दो मैच पक्के

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर है। जब-जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच खेला जाता है, क्रिकेट प्रशंसकों का रोमांच अपने चरम पर होता है। फिलहाल भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला बंद है। लेकिन, आईसीसी टूर्नामेंट या फिर किसी अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच मुकाबले खेले जाते हैं। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप 2021 में मुकाबले खेले गए थे। इस मैच में भारत को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। एक बार फिर से इस साल भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप में मुकाबला देखने को मिलेगा। अब तक के शेड्यूल के मुताबिक दिवाली से ठीक 1 दिन पहले 23 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में महा मुकाबला खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया टूरिज्म के मुताबिक इस मैच को लेकर सभी टिकट बिक चुकी है। इसके अलावा एक और मुकाबला एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप का आयोजन श्रीलंका में होने वाला है। हालांकि, अभी किस तरीके से वहां की परिस्थितियां हैं, कहीं ना कहीं आयोजन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वहीं, भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम के बीच में भी बड़ा भिड़ंत होने वाला है। 31 जुलाई को कॉमनवेल्थ गेम में भारतीय महिला टीम का सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा भी कर दी गई है।

कोहली को ग्रोइन की चोट, पहले वनडे से हो सकते हैं बाहर

खराब फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज विराट कोहली को तीसरे टी20 मैच के दौरान ग्रोइन में चोट लगी जिससे इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को ओवल पर पहले वनडे में उनका खेलना संदिग्ध है। कोहली की चोट के बारे में विस्तार से पता नहीं चल सका है लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले मैच में ब्रेक दे सकता है ताकि वह अगले दो मैचों के लिये उपलब्ध रहें जो क्रमशः 14 जुलाई और 17 जुलाई को खेले जाने हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि विराट को पिछले मैच के दौरान ग्रोइन की चोट लगी है। अभी यह पता नहीं चल सका है कि यह बल्लेबाजी के दौरान लगी या क्षेत्ररक्षण के दौरान।

हरमनप्रीत की कप्तानी में राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

जेमिमा और तानिया शामिल , ऋचा को नहीं मिली जगह

मुबई (एजेंसी)।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। इन खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को भी शामिल किया गया है। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। इन खेलों के मुकाबले 28 जुलाई से 8 अगस्त तक बर्मिंघम में होंगे। भारतीय टीम ने हाल में हरमनप्रीत की कप्तानी में श्रीलंका दौरे में टी20 और एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य जीत के इस सिलसिले को बरकरार रखना रहेगा। बीसीसीआई ने टीम की घोषणा करते हुए कहा, चयन समिति ने 2022 राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। भारतीय टीम पहली बार इन खेलों में शामिल होगी। राष्ट्रमण्डल खेलों में कुल 8 टीमें उतर रही हैं।

भारतीय महिला टीम में युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्ज को भी शामिल किया गया है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया भी टीम में शामिल हैं पर ऋचा घोष 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं हैं। उन्हें स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है। वहीं स्नेह राणा फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं पर उन्हें भी खेलों के लिए टीम में जगह मिली है। वह अभी एनसीए में रिहैब कर रही हैं। टीम में तेज गेंदबाज के रुप में रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह और पूजा वस्त्रकार को जगह मिली है।

इन खेलों में कुल 8 टीमों को अवसर मिला है और इन्हें 2 समूहों में बांटा गया है। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और बारबाडोस की टीम है। वहीं दूसरे समूह बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका को शामिल किया गया है। भारत का 29 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया से, 31 जुलाई को पाकिस्तान से और 3 अगस्त को बारबाडोस से मुकाबला है। सेमीफाइनल के मुकाबले 6 अगस्त को जबकि स्वर्ण पदक और कांस्य पदक के मुकाबले 7 अगस्त को खेले जाएंगे।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, एस मेघना, तानिया भाटिया, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्रकार, मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिग्ज, राधा यादव, हरलीव देओल और स्नेह राणा।

स्टैंडबायः सिमरन दिल बहादुर, ऋचा घोष, पूनम यादव।

दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग के लिए बोली लगाने की समय सीमा बुधवार तक बढ़ी

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका में अब आईपीएल की तर्ज पर नई टी20 लीग शुरु हो रही है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने देश की इस नई टी20 लीग के गठन के लिए बोलियां भी आमंत्रित की हैं। इसके साथ ही पार्टियों को भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया है। सीएसके के अनुसार इसमें कई फ्रेंचाइजियों ने रुचि दिखाई है। बोली लगाने की समय सीमा भी बढ़ाकर बुधवार 13 जुलाई तक कर दी गयी है।

दक्षिण अफ्रीका की इस लीग को लेकर आईपीएल टीमों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल (डीसी), मुंबई इंडियंस (एमआई), राजस्थान रॉयल्स (आरआर), और मुंबई इंडियंस (एमआई) ने एक्सप्रेशंस ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) पत्र भी खरीदा है। सीएसए को अब तक 29 ईओआई प्राप्त हुए हैं, इसमें से कुछ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और आईपीएल टीमों के मालिकों की तरफ से आए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए छह फ्रेंचाइजी होंगी, जिनमें से दो दक्षिण अफ्रीकी बोलीदाताओं के लिए आरक्षित होंगी। दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड जनवरी-फरवरी में यह टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा है।

सीएसए लीग के एक दस्तावेज में कहा गया है कि आईपीएल सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग है और हमारा लक्ष्य दूसरी सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग बनाना है।

राहुल और आथिया जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल अभिनेत्री आथिया शेट्टी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। आथिया और राहुल लंबे समय से रिलेशनशिप में बने हुए हैं। राहुल हाल ही में जर्मनी से सर्जरी कराकर लौटे हैं। राहुल कमर की सर्जरी के कारण ही आजकल टीम से बाहर चल रहे हैं। उनके अगस्त में शुरू हो रहे एशिया कप टी20 में भी खेलने की संभावना नही है। टीम प्रबंधन चाहत है कि राहुल पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें। इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए टीम प्रबंधन राहुल को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। एक रिपोर्ट के अनुसार राहुल और आथिया अगले तीन माह के अंदर मुंबई में शादी कर सकते हैं। इसके लिए होने वाले भव्य कार्यक्रम की तैयारी स्वयं आथिया ही देख रही हैं। हाल ही में दोनों अपने घरवालों के साथ नया घर देखने पहुंचे थे। फिलहाल इस घर को नया रुप दिया जा रहा है। राहुल और आथिया शादी के बाद यहीं रहेंगे। आथिया अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं।

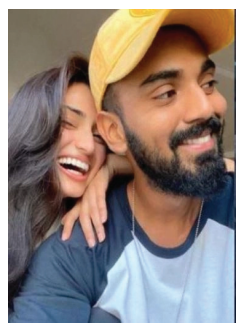

खिलाड़ियों को आराम देने की अपनी नीति पर फिर विचार करे बीसीसीआई : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सीनियर खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के समय आराम मांगने पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा है कि ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के समय तो आराम मांगते हैं पर आईपीएल के दौरान इन्हें आराम की जरुरत नहीं पड़ती है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इन्हें आराम देने की अपनी नीति पर फिर विचार करना चाहिये। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान अनुभवी खिलाड़ियों को एक के बाद एक आराम दिया जा रहा है। इसी कड़ी में वेस्टइंडीज दौरे के लिए एकदिवसीय टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को जगह नहीं दी गयी है। अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। इसी को लेकर गावस्कर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब ये खिलाड़ी आईपीएल के समय आराम नहीं करते हैं तो भारतीय टीम के लिए खेलते समय इनहें आराम की जरुरत क्यों पड़ जाती है। उन्होंने कहा, देखिए मैं भारत के मैचों के दौरान आराम करने की खिलाड़ियों की सोच से सहमत नहीं हूं। आप भारत के लिए खेल रहे हैं। ऐसे में आप आईपीएल के दौरान आराम नहीं करते हैं पर भारतीय टीम की ओर से खेलते समय आपको आराम की जरुरत पड़ने लगती है।

इंगलैंड बनाम भारत सीरीज में ये पांच क्रिकेटर बना सकते हैं अपना बड़ा रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टी-20 सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया की नजरें अब वनडे सीरीज पर टिक गई हैं। वीरवार को शुरू होने वाली सीरीज दोनों प्लेयरों के लिए खास होगी। भारत की ओर जहां रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी बड़ा रिकॉर्ड बना सकते हैं तो वहीं इंगलैंड के जोस बटलर और जो रूट भी व्यक्तिगत रिकॉर्ड बना सकते हैं।

रोहित शर्मा : रोहित शर्मा (9283) को मोहम्मद अजहरुद्दीन (9378) से आगे निकलने के लिए 96 रनों की जरूरत है और वह एकदिवसीय मैचों में भारत के लिए छठे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। इसी तरह 5 चौके लगाकर वह वनडे में 850 चौके पूरे कर लेंगे। अगर वह पांच छक्के लगा देते हैं तो वनडे में 250 छक्के पूरे कर लेंगे।

रविंद्र जडेजा: जडेजा के नाम पर वनडे फार्मेट में 49 छक्के हैं। एक छक्का लगाकर वह रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसी तरह अगर वह चार विकेट ले लेते हैं तो वनडे में 50 विकेट पूरे कर लेंगे।

मोहम्मद शमी: भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शभी भी वनडे फॉर्मेट में 150 विकेट लेने के करीब है। उन्हें सिर्फ दो विकेट ही चाहिए। वह भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं।

जोस बटलर: बटलर को वनडे फार्मेट में 150 छक्के पूरे करने के लिए 6 छक्कों की जरूरत है। उम्मीद है कि वह इस रिकॉर्ड को बना देंगे। इसी तरह पहले मैच में उतरते ही वह अपना 300वां इंटरनेशनल मैच खेल लेंगे।

जो रूट: जो रूट (491) को एकदिवसीय प्रारूप में 500 चौकों के लैंडमार्क को पूरा करने के लिए नौ चौकों की आवश्यकता है। रूट (17460) को सभी प्रारूपों में 17500 रन तक पहुंचने के लिए 40 रन चाहिए। उनकी टेस्ट फार्मेट में फॉर्म अच्छी रही थी। अब उनसे वनडे फार्मेट में रन बनाने की इंगलैंड उम्मीद करेगा।

महिला यूरो कप फुटबॉल : इंग्लैंड क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बनी -नॉर्वे को 8 गोल से हराया

लंदन । इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम यूरो कप 2022 के नॉकआउट राउंड के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बनी है। इंग्लैंड ने दो मैच में 2 जीत के साथ ही यूरो कप के लिए प्रवेश हासिल किया। इंग्लैंड ने दूसरे मैच में नॉर्वे को 8 गोल से हराया। यह पहली बार है जब टीम ने इतने गोल किये हैं। नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले में इंग्लैंड ने शुरुआती 12 मिनट के अंदर ही बढ़त बना ली। इंग्लैंड की ओर से जॉर्जिया स्टेनवे ने पेनल्टी पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद लॉरेन हेम्प ने 15 वें मिनट में गोल करके इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इंग्लैंड की टीम ने नॉर्वे के खिलाफ 29वें मिनट मिनट में तीसरा गोल दागा।इसके बाद टीम ने 4 गोल और करके विरोधी टीम को एक प्रकार से मैच के बाहर कर दिया। एलेन व्हाइट और बेथ मीड ने दो-दो गोल दागे। इंग्लैंड की टीम इस जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में भी पहुंच गयी है।

श्रीलंका की जगह बांग्लादेश में एशिया कप का आयोजन कर सकती है एसीसी

मुम्बई । अगले माह श्रीलंका में होने वाले एशिया कप की मेजबानी अब बांग्लादेश को मिल सकती है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) श्रीलंका में आर्थिक बदहाली के कारण हो हो रही हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए एशिया कप का आयोजन स्थल बदलने पर गंभीर रुप से विचार कर रहा है। एसीसी का मानना है कि अभी के हालातों में इस टूर्नामेंट का आयोजन श्रीलंका में होना ठीक नहीं रहेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और मेजबानों के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दौरान भी बड़ी संख्या में लोग गाले स्टेडियम के बाहर प्रदर्शन करते नजर आए थे। श्रीलंका में पिछले सप्ताह प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा जमाने के बाद प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे के निजी आवास में आग लगा दी थी। एशिया कप का प्रारूप 2018 संस्करण के जैसा होगा। इसमें 6 टीमें 3-3 टीमों के दो समूहों में भाग लेंगी। इसमें भारत और पाक टीमें एक ही समूह में हैं। सभी टीमें एक-दूसरे से एक बार खेलेंगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष 2 टीमें सुपर फोर के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर फोर में प्रत्येक टीम 3 मुकाबले खेलेगी। टॉप दो टीमें फाइनल में जाएंगी।

सविता के शानदार प्रदर्शन से महिला हॉकी विश्व कप में भारत ने पहली जीत दर्ज की

टैरेसा (स्पेन) (एजेंसी)।

कप्तान और गोलकीपर सविता के शानदार प्रदर्शन से भारत ने मंगलवार को यहां एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के क्लासिफिकेशन मुकाबले में कनाडा को शूट आउट में 3-2 से हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। निर्धारित समय के बाद दोनों टीम 1-1 से बराबर थीं। मेडेलाइन सेको ने 11वें मिनट में ही कनाडा को बढ़त दिला दी थी लेकिन भारत 58वें मिनट में सलीमा टेटे के गोल से बराबरी हासिल करने में सफल रहा।

भारत की जीत में हालांकि सबसे अहम भूमिका गोलकीपर सविता की रही जिससे टीम टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज कर सकी। नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मुकाबले में भारतीय कप्तान ने शूट आउट में विरोधी टीम के छह प्रयासों को नाकाम किया जबकि नवनीत कौर, सोनिका और नेहा ने गोल दागकर भारत की जीत सुनिश्चित की। स्पेन के खिलाफ क्रॉसओवर में निराशाजनक हार के बाद भारत ने कनाडा के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की।

भारत के शुरुआती दबाव से निपटने के बाद कनाड़ा ने गेंद को गोल में पहुंचा दिया लेकिन रैफरी ने इसे अस्वीकृत करते हुए पेनल्टी कॉर्नर दिया और नताली सोरिस्यू गोल करने में नाकाम रहीं। कनाडा को इसके कुछ मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार टीम ने वैरिएशन पर गोल दाग दिया। कैथलीन लीही ने भारतीय डिफेंस को भ्रमित करते हुए गेंद सेको की ओर बढ़ाई जिन्होंने इसे गोल में पहुंचा दिया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में मजबूत शुरुआत की और कई बार कनाडा की रक्षापंक्ति को भेदा लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मोनिका ने कई अच्छे मूव बनाए जबकि नवनीत कौर, नेहा और वंदना कटारिया की तिकड़ी ने कनाडा के डिफेंस को लगातार दबाव में रखा। नवनीत और वंदना ने 25वें मिनट में शानदार मूव बनाया लेकिन इनके प्रयास को गोलकीपर रोवन हैरिस ने नाकाम कर दिया। मध्यांतर के बाद भी भारत ने हमले जारी रखे। लालरेमसियामी ने कनाडा की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश लेकिन विफल रहीं।

भारत को बराबरी हासिल करने का शानदार मौका मिला लेकिन सर्कल के अंदर से नवजोत कौर का शॉट गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गया। सविता ने इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करते हुए कनाडा को बढ़त दोगुनी करने से रोका। भारत को तीसरे क्वार्टर के अंतिम लम्हों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इसे गोल में नहीं बदल सकी। शुरुआती गोल के बाद कनाडा की टीम अधिक मौके नहीं बना सकी।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने बराबरी का गोल करने के लिए प्रयास जारी रखा। भारत को कई पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गुरजीत कौर इन्हें गोल में नहीं बदल सकी। भारत को अंततः सलीमा टेटे ने बराबरी दिलाई जब पेनल्टी कॉर्नर पर गुरजीत की ड्रैग फ्लिक को कनाडा की गोलकीपर के रोकने के बाद उन्होंने रिबाउंड पर गोल दागा। कार्ली योहानसन को पेनल्टी कॉर्नर पर कनाडा को एक बार फिर बढ़त दिलाने का मौका मिला लेकिन वह गोल नहीं कर सकी। भारत नौवें से 12वें स्थान के प्ले आफ में बुधवार को जापान से भिड़ेगा।

रोनाल्डो 'बिकाऊ' नहीं हैं, हम उनसे काम करने को उत्सुक: टेन हैग

बैंकॉक। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर एरिक टेन हैग ने सोमवार को कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो 'बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है'। टीम सत्र पूर्व दौरे के लिए थाईलैंड में है और क्लब में अपने भविष्य को लेकर संदेह के बीच 37 साल के रोनाल्डो पारिवारिक मुद्दे के कारण यहां नहीं आए है। टेन हैग ने कहा कि वह हमारे साथ नहीं है और यह व्यक्तिगत मुद्दों के कारण है। हम इस सत्र के लिए रोनाल्डो के साथ योजना बना रहे हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने कथित तौर पर यूनाइटेड छोडने की इच्छा जताई थी। टेन हैग ने कहा कि उन्होंने मुझसे ऐसा कुछ नहीं बताया है। मैंने इस बारे में कहीं पढ़ा है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि क्रिस्टियानो बिक्री के लिए नहीं है। रोनाल्डो की 12 साल के लंबे अंतराल के बाद पिछले सत्र में इस क्लब में वापसी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एग्जाम में बच्चे के नहीं आए हैं अच्छे मार्क्स तो पेरेंट्स ऐसे करें गाइड

बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही बच्चों के साथ-साथ उनके पेरेंट्स को भी टेंशन होने लगती हैं। बोर्ड परीक्षा के मार्क्स के आधार पर ही तय होता है कि बच्चा आगे किस विषय की पढ़ाई कर सकता है। स्वाभाविक रूप से, इससे बच्चों और पेरेंट्स पर अतिरिक्त तनाव पैदा होता है। वैसे तो हर छात्र बोर्ड्स में अच्छे मार्क्स लाने की पूरी कोशिश करता हैं। लेकिन जीवन हमेशा हमारी योजना के अनुसार नहीं चलता। कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा। बतौर पेरेंट्स, इस समय आपका पहला कर्तव्य बच्चे के साथ रहना है, भले ही उसके परिणाम से आपको निराशा ही क्यों न हुई हो। आइए जानते हैं कि कम मार्क्स आने पर आप कैसे अपने बच्चे को गाइड कर सकते हैं -

कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा।

- सबसे पहले खुद को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा जीवन का अंत नहीं है। यदि आप अपने बच्चे के सामने अपनी निराशा व्यक्त करते रहेंगे तो वह और भी अधिक दोषी महसूस करेगा।
- इस समय रिश्तेदार-पड़ोसी या दोस्तों के फोन आना स्वाभाविक है। लेकिन जितना हो सके इनसे बचें। क्योंकि इससे आपका बच्चा परेशान हो सकता है। इसके अलावा, फोन पर सामान्य रूप से बात करें। फोन पर 'नहीं, यह इतना अच्छा नहीं कर पाया।' जैसी टिप्पणी न करें। इससे आपके बच्चे की भावनाएं आहत होंगी।
- बच्चे के सामने बार-बार चर्चा न करें कि किसका कितना अच्छा परिणाम आया और किसने कितने अंक प्राप्त किए। अपने बच्चे को यह पूछकर शर्मिंदा न करें कि उसके दोस्तों का रिजल्ट कैसा रहा।
- घर का माहौल सामान्य रखें। एक परीक्षा में खराब परिणाम का मतलब यह नहीं है कि पूरा परिवार एक साथ शोक मनाता रहे।
- सबकी योग्यताएं या प्रतिभाएं समान नहीं होती हैं। अगर आपका बच्चा पढ़ाई में सामान्य है तो उससे टॉप करने या किसी चमत्कार की उम्मीद न करें।
- अपने बच्चे को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा के मार्क्स ही उसकी एकमात्र पहचान नहीं है। वह किस तरह का व्यक्ति है, यही असली बात है। परीक्षा में आए अंकों से उसके प्रति आपका रवैया नहीं बदलेगा।
- इस समय बच्चे को ज्यादा अकेला न रहने दें। अपने बच्चे के साथ बैठें और उसके साथ बातचीत और मौज-मस्ती करें। फिर उससे धीरे-धीरे उसकी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करें।
- कई ऐसे लोग हैं जिन्हें परीक्षा में अच्छे परिणाम नहीं मिलते हैं। लेकिन उसके बाद भी उन्हें अपने मनपसंद विषय में पढ़ने का मौका मिला और उन्होंने जीवन में अच्छे परिणाम भी हासिल किए। अपने बच्चे को ऐसे लोगों का उदाहरण दें।
- बच्चे को समझाएं कि स्कूल की परीक्षा ही जीवन का अंत नहीं है। उसके बाद जीवन में और भी कई परीक्षाएं होंगी। ऐसे कई लोग हैं जो परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने के बाद भी जीवन में सफल हुए हैं।
- यदि आपका बच्चा बुरे परिणामों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता है तो आपको उसे परामर्श के लिए मनोवैज्ञानिक के पास ले जाना चाहिए। पेशेवर मदद लेने में कोई शर्म नहीं है।

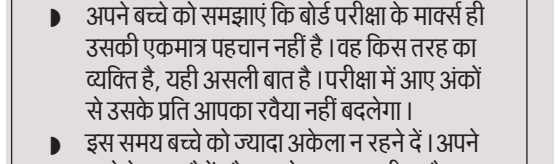

बायोकेमिस्ट्री में बनाएं अपना कॅरियर

बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है।

आवश्यक कौशल, स्कोप और वेतन

जैव रसायन क्या है ?

जैव रसायन मूल रूप से कोशिकीय और आणविक स्तर पर जैविक प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। जैव रसायन जीवित जीवों के रसायन विज्ञान और जीवित कोशिकाओं में होने वाले परिवर्तनों के आणविक आधार को देखता है और इस प्रकार यह जीवन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान दोनों है। जैव रसायन हमारे शरीर को बनाने वाले घटकों को तोड़ने, चलाने, बनाने और मरम्मत करने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सीखने के बारे में है। जैव रसायन बुनियादी विज्ञानों में सबसे व्यापक होने के कारण इसमें कई उप-विशिष्टताएं शामिल हैं जैसे कि जैव-रासायनिक विज्ञान, भौतिक जैव रसायन, तंत्रिका रसायन, क्लीनिकल जैव रसायन, आणविक आनुवंशिकी, जैव रासायनिक औषध विज्ञान और प्रतिरक्षा रसायन। बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है। एक बायोकेमिस्ट यह निर्धारित करना चाहता है कि ऐसी प्रक्रियाओं में प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड, लिपिड, विटामिन और हार्मोन जैसे विशिष्ट अणु कैसे कार्य करते हैं।

जैव रसायनज्ञों के लिए आवश्यक योग्यता

- एक प्रतिष्ठित संस्थान से बायोकैमिस्ट्री में स्नातक- बीएससी बायोकैमिस्ट्री।
- स्नातकोत्तर- यदि आप इस क्षेत्र में अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो स्नातक होने के बाद एमएससी बायोकैमिस्ट्री जरूरी है।
- कुछ संस्थान बायोकेमिस्ट्री इंटीग्रेटेड कोर्स ऑफर करते हैं जो एक अच्छा विकल्प भी हो सकता है।
- एमएससी बायोकैमिस्ट्री स्नातकोत्तर, जो अनुसंधान में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें नेट / गेट परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए, क्योंकि अधिकांश सरकारी और निजी संस्थान इसे नौकरी चयन के लिए एक आवश्यक मानदंड के रूप में रखते हैं।
- जैव रसायन अनुसंधान क्षेत्र में एक समृद्ध कॅरियर के लिए पीएचडी डिग्री होना जरूरी है।
- कुछ विश्वविद्यालय चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जिसमें पहले से ही एक अनुसंधान प्लेसमेंट वर्ष शामिल होता है, जो आमतौर पर फार्मास्युटिकल या बायोटेक्निकल उद्योग या एक शोध संस्थान में किया जाता है।

बायोकैमिस्ट्री डिग्री से संबंधित नौकरियों में शामिल हैं :

- रिसर्च फैलो
- एनालिटिकल केमिस्ट
- जैव चिकित्सा वैज्ञानिक
- फार्मा एसोसिएट
- क्यूए / एसी एसोसिएट
- हेल्थकेयर वैज्ञानिक
- क्लीनिकल जैव रसायन
- खाद्य सुरक्षा विश्लेषक
- नैदानिक अनुसंधान सहयोगी
- फोरेंसिक वैज्ञानिक
- अनुसंधान वैज्ञानिक
- विष विज्ञानी
- व्याख्याता / प्रोफेसर

बायोकैमिस्ट्री में कॅरियर के अवसर लगभग असीमित हो सकते हैं :

सरकारी एजेंसियां, निजी शोध संस्थान, अस्पताल, सामाजिक और गैर-लाभकारी संगठन सभी को एक अच्छे बायोकेमिस्ट की तलाश रहती है। उनका एक सामान्य लक्ष्य है अनुसंधान करना, प्रयोग करना, परीक्षण करना और एड्स और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज का पता लगाना और यहां तक कि मानसिक विकारों के लिए भी।

आवश्यक स्किल्स

- आवश्यक डिग्री का स्तर स्थिति के आधार पर भिन्न होता है। कई सेटिंग्स के लिए बायोकैमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री पर्याप्त है, जबकि उन्नत शोध कार्य के लिए डॉक्टरेट की डिग्री अनिवार्य होती है।
- बायोकैमिस्ट्री या संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री प्रोग्राम में छात्र आमतौर पर गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रमों के अलावा, जैविक और रासायनिक विज्ञान में पाठ्यक्रम लेते हैं।
- बायोकैमिस्ट के लिए गणित और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम होना चाहिए।
- स्नातक होने के बाद कुछ कार्य अनुभव प्राप्त करके अवसरों में सुधार किया जा सकता है जैसे कि किसी कंपनी या शोध प्रयोगशाला में इंटर्नशिप।
- इच्छुक जैव रसायनज्ञों के लिए प्रयोगशाला अनुभव आवश्यक है ; उन्नत शोध पदों के लिए पोस्टडॉक्टरल शोध कार्य की आवश्यकता हो सकती है।
- चिकित्सा, वैज्ञानिक, क्वेरी और स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर का ज्ञान मौलिक है।
- विभिन्न प्रकार के उपकरण जैसे गैस क्रोमैटोग्राफ और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उपयोग सूक्ष्म जीवविज्ञानी द्वारा उचित रूप से किया जाना चाहिए।
- बायोकैमिस्ट्री व्यावसायिक रूप से एक मूल्यवान डिग्री है और यह महत्वपूर्ण उद्योगों की एक श्रृंखला में अच्छी तरह से भुगतान करने वाली नौकरियों के लिए काफी उपयोगी होती है। जैव रसायन के भीतर कार्य क्षेत्र विशाल है।

बायोकेमिस्ट्री फ्रेशर्स के लिए औसत वेतन इस प्रकार हैं:

- अनुसंधान संस्थानों में एंट्री लेवल का वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 15,000 - 20,000 / - प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में प्रवेश स्तर का वेतन (नेट / गेट के साथ) रुपये 20,000 - 30,000 / - प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में प्रवेश स्तर का वेतन रु.18,000/- से रु. 25,000/- प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 25,00/ - से 40,000/ - रुपये प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के साथ) : रुपये 30,000/- से रुपये 60,000 /- प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में अनुभवी के लिए औसत वेतन 30,000/- से 80,000/- रुपये प्रति माह
- अनुभव के साथ आपका वेतन सामान्य रूप से बढ़ता ही जाता है। पीएचडी की डिग्री और एक अच्छे कौशल के साथ आप बायोकैमिस्ट्री में एक सफल करियर बना सकते हैं।

जर्मनी में करें पढ़ाई और स्कॉलरशिप भी पाएं

जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है। चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं। आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं। कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में.

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। रू. 24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक रू.63000 तक आपको मिल सकते हैं रू. 32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

साइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने 50 हजार रू. तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों के यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टीन के नाम पर शुरू की गयी इस फेलोशिप का मतलब बेहतर प्रतिभाओं को सामने लाना है।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 12 लाख रुपया दिया जाता है तो रू. 12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।

हिटलर जैसी मानसिकता वाले लोग ही इमारतों को आग लगाते हैं: विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा उनके निजी आवास को आग लगाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि केवल ''हिटलर जैसी मानसिकता'' वाले लोग ही इमारतों में आग लगा सकते हैं। विक्रमसिंघे(73) ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री का पद इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि अर्थव्यवस्था संकट में थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अर्थव्यवस्था के पुनः निर्माण का कठिन कार्य ऐसे समय में अपने हाथ में लिया, जब लोग ईंधन, खाना पकाने वाली गैस और बिजली के अभाव में मुश्किलों का सामना कर रहे थे। विक्रमसिंघे ने कहा, ''जीवनयापन की लागत अधिक थी, ईंधन नहीं था, विदेशी मुद्रा संकट था। लोगों की नौकरियां जा रही थीं। मैंने लोगों की पीड़ा को देखा।'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में करीब चार साल लगेंगे और पहला साल सबसे मुश्किल भरा होगा। विक्रमसिंघे ने कहा, ''यह काम एक-दो दिन में नहीं हो सकता। शुरुआती सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कम से कम एक वर्ष की आवश्यकता होगी। आईएमएफ ने कहा है कि इसमें चार साल लगेंगे।'' अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन को लेकर सरकार पर बढ़ रहे दबाव के बीच महिंदा राजपक्षे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद उनके छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे ने विक्रमसिंघे को मई में प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। विक्रमसिंघे ने उनके आवास पर शनिवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई आगजनी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल ''हिटलर जैसी मानसिकता'' जैसे लोग ही इमारतों को आग लगाते हैं। उन्होंने कहा कि उस रात जो हुआ, उसकी ''पृष्ठभूमि में एक घटना'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मुस्लिम दल के नेता ने ट्वीट करके यह गलत जानकारी दी थी कि उन्होंने सर्वदलीय सरकार के गठन का विरोध किया है और इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण उनके आवास पर आगजनी की घटना हुई।

शंघाई तट के पास चीन और पाकिस्तान की नौसेनाओं का युद्धाभ्यास

बीजिंग। चीन और पाकिस्तान की नौसेनाएं चार दिवसीय संयुक्त समुद्री अभ्यास के तहत शंघाई तटीय क्षेत्र के पास मंगलवार को शस्त्रों का प्रत्यक्ष अभ्यास (लाइव फायर ड्रिल) करेंगी। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। कूटनाम 'सी गार्डियन्स-2' वाले इस अभ्यास में भाग ले रहे सैन्य बेड़े शंघाई में एक सैन्य बंदरगाह से निर्धारित समुद्री क्षेत्र के लिए रवाना होंगे। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य रक्षा सहयोग को बढ़ाना, विशेषज्ञता तथा अनुभव बढ़ाना, दोनों देशों एवं सेनाओं के बीच परंपरागत मित्रता को गहरा करना तथा चीन-पाकिस्तान की सर्वकालिक रणनीतिक सहयोगात्मक साझेदारी के विकास को बढ़ावा देना है। इसके तहत सोमवार को पेशेवर और तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान, रस्साकशी और बास्केटबॉल मैचहुए। दोनों देशों ने रविवार को 'सी गार्डियन्स-2' को शुरू किया और समुद्री सुरक्षा खतरों से मिलकर निपटने के लिए अपने नये उच्च तकनीक युक्त नौसैनिक पोतों और लड़ाकू विमानों को तैनात किया। दोनों देशों की नौसेनाओं ने भारत के नजदीक हिंद महासागर में सहयोग तेज किया है। सरकारी ग्लोबल टाइम्स की रविवार की खबर के अनुसार चीन की पीएलए ईस्टर्न थियेटर कमांड नौसेना ने युद्धपोत शियांगटन, शुओझोऊ, समग्र आपूर्ति पोत क्रियानदाओहू, एक पनडुब्बी, एक शीघ्र चेतावनी विमान, दो लड़ाकू विमान तथा अभ्यास के लिए एक हेलीकॉप्टर को भेजा, वहीं पाकिस्तानी नौसेना का युद्धपोत तैमूर अभ्यास में शामिल हुआ।

चीन के गैंबलिंग हब मकाऊ में कोरोना की वजह से लगाया गया आंशिक लाकडाउन, बंद किए गए कैसिनो

बीजिंग । एशिया का लॉस वेगस' कहे जाने वाले चीन के मकाऊ शहर ने पिछले दो सालों में पहली बार अपने यहां के सभी कैसिनो बंद कर दिए हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण यह फैसला लिया गया है। मकाऊ दुनिया के सबसे बड़े गैंबलिंग हब के रूप में जाना जाता है। इस फैसले से गेमिंग कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट आई है। दरअसल, मकाउ में एक बार फिर से कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिसके चलते प्रशासन को यह कठोर कदम उठाना पड़ा है। मकाऊ के 30 से अधिक कैसीनो और दूसरे सभी व्यवसाय अगले एक सप्ताह के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान शहर के लोग अपने घरों के अंदर कैद रहेंगे। उन्हें सिर्फ जरूरी सेवाओं के लिए छोटी यात्राएं करने की इजाजत होगी। अमेरिकी कैसिनो एंड रिजॉर्ट कंपनी लॉस वेगस सैंड्स की मकाऊ मुख्यालय वाली सब्सिडियरी कंपनी सैंड्स चाइना के शेयरों में 9 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं, मेल्को इंटरनेशनल, वाइन मकाऊ, एसजेएम, ग्लैक्सी एमजीएम चाइना जैसी कंपनियों के शेयर 6 से 7 फीसदी तक टूट हैं। मध्य जून के बाद से मकाऊ में 1,500 से अधिक कोरोना के केस मिल चुके हैं। करीब 19,000 लोग अनिवार्य रूप से क्वारंटीन में है। चीन की सरकार ने कोरोना के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस नीति' अपनाई हुई है, जिसका इरादा महामारी के प्रकोप को सख्ती से दबाना है। हालांकि, मकाऊ के कई कैसिनो पिछले तीनों हफ्तों से एक तरह बंद हैं, क्योंकि उन्हें सिर्फ बेहद कम स्टाफ और गेस्ट की इजाजत के साथ खुले रहने की इजाजत दी गई। हालांकि, प्रशासन के नए कदम के बाद अब निवेशकों का भरोसा डगमगा गया और इन कंपनियों से पैसे निकालने लगे हैं। कुछ एनालिस्ट्स का यह भी अनुमान है कि इन गेमिंग कंपनियों के शेयरों में वापस रिकवरी तीसरी तिमाही के अंत या चौथी तिमाही से पहले होने की उम्मीद नहीं है। विशेषज्ञोंका मानना है कि जुलाई और अगस्त में हमें इन शेयरों को तेजी भूल जाना होगा। मकाऊ के 30 से अधिक जोन को उच्च जोखिम वाले कैटगरी में डाला गया है, जहां कड़ा लॉकडाउन लागू है। सरकार ने कहा कि वह पूरे शहर में लॉकडाउन नहीं लगा रहा ही, लेकिन उसके कड़े उपायों से मकाऊ लगभग एक तरह से बंद है। इससे पहले मकाऊ में कैसिनो फरवरी 2020 में 15 दिनों के लिए बंद हुए थे। सरकार ने नौकरियों को बचाने का वादा किया है, जिसके चलते वह अभी तक कैसिनो को बंद करने से हिचकिचाती रही थी। कैसिनो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काफी बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने बच्चों की सुरक्षा के लिए भारत में कानूनी एवं प्रशासनिक ढांचा बनाने का स्वागत किया

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बच्चों की सुरक्षा के लिए भारत में कानूनी एवं प्रशासनिक ढांचा बनाए जाने और कई राज्यों में बाल सुरक्षा सेवाओं की पहुंच में सुधार का स्वागत किया है। हालांकि, कुछ जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा बच्चों की भर्ती किए जाने के खतरे को लेकर उन्होंने चिंता भी जाहिर की है। बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष' (सीएएसी) पर महासचिव की रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने भारत में 'बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष' पर विश्व निकाय के विशेष दूत वर्जीनिया गांबा के साथ जारी वार्ता का स्वागत किया है। उन्होंने नवंबर 2021 में हुई अंतरमंत्रालयी बैठक का जिक्र किया, जिसमें बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने जाने की प्राथमिकता वाली पहलों तथा मुद्दों पर बातचीत हुई थी। गुतारेस ने कहा, मैं बच्चों की सुरक्षा के लिए सहयोग बढ़ाने के क्षेत्रों की पहचान करने के वास्ते संयुक्त राष्ट्र के साथ 2022 में अंतरमंत्रालयी प्रौद्योगिकी स्तर की बैठक संबंधी संयुक्त प्रौद्योगिकी मिशन के समझौते का स्वागत करता हूं।'' उन्होंने कहा, इस उन्नत समझौते से भारत, बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष पर मेरी अगली रिपोर्ट में चिंता की स्थिति से बाहर आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने कहा कि सीएएसी की रिपोर्ट में भारत के जिक्र के संबंध में कुछ वर्षों में ''हमने अपने बयानों में चिंता व्यक्त की है।

सियासी उथल-पुथल और पेट्रोल-डीजल संकट के बीच श्रीलंका में बढ़ गई साइकिलों की डिमांड

कोलंबो । श्रीलंका में चल रहे सियासी संकट के बीच सरकार विरोधी जनाक्रोश जारी हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री आवासों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा है। देश में मची उथल-पुथल के बीच देश में पेट्रोल डीजल की भी भारी कमी हो गई है। यहां तक कि गाड़ियों में तेल डलवाने के लिए भी वहां लोगों को कई दिनों का इंतजार करना पड़ रहा है। इसी बीच एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने है जिसमें देशभर में साइकिल की मांग में जबरदस्त उछाल आया है। लोग वहां बहुत तेजी से साइकिल खरीद रहे हैं। दरअसल, इस समय श्रीलंका में ईंधन की कमी के कारण अधिकतर लोग चार पहिया वाहनों को छोड़कर साइकिल की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हम पेट्रोल की कतार में लगने वाले समय को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं क्योंकि तब भी पेट्रोल या डीजल नहीं मिल रहा है। इसलिए लोगों ने साइकिल और सार्वजनिक परिवहन का रुख कर लिया है। वहीं एक तथ्य यह भी है कि कई दिनों से श्रीलंका में कोई तेल शिपमेंट नहीं आया है। यहां तक कि वहां की सरकार ने अभी तक ये भी नहीं बताया है कि अगला शिपमेंट कब आएगा।

स्पेन में सेन फर्मिन समारोह में बुल रेस में भाग लेते हुए लोग।

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जताई निराशा

लंदन । पिछले पांच सालों से अधिक समय से ब्रिटेन में रह रहे भगोड़ा भारतीय कारोबारी विजय माल्या ने अदालत की अवमानना के मामले में चार महीने की सजा देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को निराशा जताई। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को अदालत की अवमानना के मामले में सोमवार को चार महीने की सजा सुनाई। इसके साथ ही न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह कारावास की सजा काटने के लिए भगोड़े कारोबारी की उपस्थिति सुनिश्चित करे, जो 2016 से ब्रिटेन में हैं। 66 वर्षीय माल्या ने कहा मेरे पास उच्चतम न्यायालय के फैसले पर यह कहने के अलावा और कुछ नहीं है कि मैं जाहिर तौर पर निराश हूं। न्यायमूर्ति यूयू ललित की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने माल्या पर 2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। माल्या को अवमानना के लिए नौ मई, 2017 को दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने 2017 के फैसले पर पुनर्विचार के लिए माल्या की ओर से दायर पुनर्विचार याचिका 2020 में खारिज कर दी थी। न्यायालय ने अदालती आदेशों को धता बताकर अपने बच्चों के खातों में चार करोड़ डॉलर भेजने को लेकर माल्या को अवमानना का दोषी ठहराया था। अदालत की अवमानना संबंधी कानून, 1971 के अनुसार, अदालत की अवमानना पर छह महीने तक की साधारण कैद या 2,000 रुपये तक का जुर्माने या दोनों सजा हो सकती है। माल्या पर 9,000 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक ऋण धोखाधड़ी का आरोप है।

यूक्रेन जंग पर भारत ने कहा निर्दोष लोगों को मारकर किसी समाधान पर पहुंचना संभव नहीं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के बीच पांच महीने से जंग जारी है। इस जंग में यूक्रेन धीरे-धीरे तबाह हो रहा है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की ब्रीफिंग में भारत ने यूक्रेन संकट पर चिंता जताई। बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थायी मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने दो टूक जवाब देते हुए कहा निर्दोष लोगों की जान की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थायी मिशन के काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा हम अपनी इस बात को फिर से दोहराना चाहते हैं कि हमारी वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता और राज्यों की संप्रभुता के सम्मान पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन के लोगों के दर्द को कम करने के सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। विशेष रूप से यूक्रेन और रूसी संघ के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। प्रतीक माथुर ने कहा भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। संघर्ष के परिणामस्वरूप अपने लोगों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के जीवन को अनगिनत दुखों का सामना

करना पड़ा है।

लाखों लोग बेघर हो गए हैं और पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा संघर्ष की शुरुआत से भारत लगातार सभी तरह की शत्रुताओं को पूरी तरह से खत्म करने का आह्वान करता रहा है और शांति, संवाद व कूटनीति के हिस्से की वकालत करता रहा है। बता दें कि दोनों देशों के बीच जंग में अब तक लगभग 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 4000 से अधिक आम नागरिकों की मौत हुई है। जबकि 10 हजार से अधिक सैनिकों ने भी जान गंवाई है। रूस से जंग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही कैबिनेट फेरबदल करेंगे। उन्होंने कहा कि विदेश नीति को मजबूत करने और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए यह फैसला किया गया है।

ईरान ने रूस को 100 ड्रोन देने का फैसला लिया, अमेरिका ने दी चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के हमलों से बेजार है और 5 महीने से भीषण जंग झेल रहा है। इसी बीच ईरान ने रूस को ड्रोन देने का फैसला लिया है। यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस इन ड्रोनों का इस्तेमाल करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा है कि ईरान यूक्रेन में युद्ध के लिए संभावित रूप से सैकड़ों ड्रोन रूस को देने की योजना बना रहा है। इसमें से कुछ ड्रोन लड़ाकू क्षमताओं के साथ हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि मिली जानकारी से पता चलता है कि ईरान रूसी बलों को ड्रोन का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित करने की तैयारी कर रहा है। बता दें कि ड्रोन यूक्रेन और रूस दोनों के बीच चल रहे युद्ध का अभिन्न अंग रहे हैं।

पिछले हफ्ते ही यूक्रेन ने अपने युद्ध प्रयासों में सहायता के लिए अमेरिका से हजारों ड्रोन दान करने की अपील की थी। सुलिवन ने कहा कि अमेरिका को मिली खुफिया जानकारी इस विचार का समर्थन करती है कि पूर्वी यूक्रेन पर रूस का हमला अपने हथियारों के रखरखाव की कीमत पर आ रहा है। उन्होंने यह भी देखा कि ईरानी ड्रोन का इस्तेमाल पहले यमन के हैती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर हमला करने के लिए किया गया था।

एक महीने पहले ईरान की सेना ने अपनी ताकत दिखाने के लिए मिसाइलों से लैस ड्रोन्स की फोटो जारी की थी। ईरान के सरकारी टीवी चैनल पर ड्रोन्स की फोटो दिखाई गई। इतना ही नहीं ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने तेहरान के पास दुनिया के सबसे घातक ड्रोन्स होने का दावा भी किया। इसमें कहा गया कि ये ड्रोन्स एक खुफिया बेस में रखे गए हैं। हालांकि बेस की लोकेशन कहां है, ये किसी को नहीं पता है। रिपोर्ट्स में कहा गया कि ये बेस केर्मनशाह शहर से 40 मिनट की दूरी पर हो सकता है। ईरान ने 1980 में ड्रोन बनाना शुरू कर दिया था। इस समय ईरान-ईराक के बीच युद्ध छिड़ा हुआ था। ईरान के आर्मी चीफ मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी और ईरान आर्मड फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल मोहम्मद बघेरी ने इस बेस का दौरा किया। इस दौरान मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सेना सबसे मजबूत सेना है।

प्रधानमंत्री पद के दावेदारों पर बोले जॉनसन, उनकी संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सोमवार को कहा कि वह अपने पसंदीदा उम्मीदवार का समर्थन कर 10 डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री कार्यालय) की दौड़ में शामिल किसी भी दावेदार की जीत की संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहेंगे। बीते हफ्ते एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत इस्तीफे का ऐलान करने के बाद पहली बार संवाददाताओं से मुखातिब जॉनसन ने कहा कि वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपने आखिरी दिनों में 2019 के चुनावों में जीत दिलाने वाले चुनावी घोषणापत्र के सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के लिए वित्त जुटाने के इरादे से लंदन के फ्रांसिस क्रीक इंस्टीट्यूट

का दौरा करने वाले जॉनसन ने कहा, 'एक प्रतिस्पर्धा चल रही है और यह जोरों पर है। मैं किसी एक के लिए समर्थन की घोषणा कर बाकियों की संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता।' उन्होंने कहा, 'मुझे बस आगे बढ़ना है और कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपने आखिरी कुछ दिनों या हफ्तों में मेरा संवैधानिक कार्य जनादेश का निर्वहन करना और जनादेश का निर्वहन जारी रखना है तथा मैं यही कर रहा हूं।'

पूर्व पीएम शिंजो आबे का टोक्यो में अंतिम संस्कार, अंतिम विदाई देने के लिए उमड़े कई लोग

तोयो। (एजेंसी)।

जापान के लोगों ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को अंतिम विदाई दी, उनका आज एक मंदिर में परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिया गया। देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे आबे शुक्रवार को पश्चिमी शहर नारा में चुनाव अभियान के सिलसिले में भाषण दे रहे थे और उसी दौरान उनको गोली मार दी गई थी। उनकी हत्या से पूरा देश और विश्व जगत स्तब्ध रह गया। दो साल पहले प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद भी सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल आबे को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग तोक्यो स्थित जोजोजी मंदिर के बाहर एकत्र हुए।

आबे के पार्थिव शरीर को लेकर जब फूलों से सजा वाहन और अन्य वाहनों का काफिला जोजोजी मंदिर की ओर बढ़ा तो शोकाकुल लोगों ने अपने हाथ हिलाए, अपने दिवंगत नेता की तस्वीरें स्मार्टफोन से लीं और कुछ ने आबे सान! कहा। अंतिम संस्कार के दौरान आबे की पत्नी अकी आबे, परिवार के अन्य सदस्य, प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा और अन्य नेता मौजूद थे। वाहन तोक्यो के राजनीतिक मुख्यालय नगाटा-चो पहुंचा जहां आबे ने अपने राजनीतिक करियर के तीन दशक से अधिक वक्त बिताया था। इसके बाद काफिला पार्टी मुख्यालय पहुंचा, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेता काले सूट पहने हुए थे। उन्होंने अपने नेता के लिए प्रार्थना की। दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक माने जाने वाले जापान में आबे की हत्या ने लोगों को स्तब्ध कर दिया, जहां बंदूक नियंत्रण संबंधी कड़े कानून हैं। पुलिस ने मौके से जापान की नौसेना के एक पूर्व सदस्य तेत्सुया यामागामी को गिरफ्तार किया था। रविवार के संसदीय चुनाव से पहले आबे की हत्या ने देश को झकझोर कर रख दिया और यह सवाल खड़ा हुआ कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं की गई थी।

प्रधानमंत्री किशिदा ने इस हमले को ''कायराना और बर्बर'' करार दिया था। 26 सितंबर, 2006 को आबे पहली बार जापान के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने आर्थिक सुधारों पर ध्यान देने के साथ-साथ उत्तर कोरिया के प्रति कड़ा रुख अपनाया। 2007 के चुनावों में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी हार के बाद आबे ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया। एलडीपी का अध्यक्ष फिर चुने जाने के बाद आबे 2012 में दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। आबे ने 2020 में यह कहते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था कि उनकी एक पुरानी बीमारी फिर से उभर आई है। पद पर न रहने के बावजूद आबे का सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी में अच्छा-खासा रुतबा था और वह पार्टी के सबसे बड़े धड़े का नेतृत्व करते थे, लेकिन उनके घोर-राष्ट्रवादी विचारों ने उनके कई विरोधी खड़े कर दिए थे। आबे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देते समय पत्रकारों से कहा था कि अपने कई लक्ष्यों को अधूरा छोड़ना उनके लिए ''परेशान करने वाली बात'' है। उन्होंने वर्षों पहले उत्तर कोरिया द्वारा अगवा किए गए जापानी नागरिकों के मुद्दे, रूस के साथ क्षेत्रीय विवाद और जापान के युद्ध त्यागने वाले संविधान के संशोधन के मुद्दों को हल करने में अपनी नाकामी की बात स्वीकारी थी। गौरतलब है कि जापान को सख्त बंदूक कानूनों के लिए जाना जाता है। 12.5 करोड़ की आबादी वाले देश में पिछले साल बंदूक से संबंधित केवल 10 आपराधिक मामले आए थे, जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे।

श्रीलंका में राजनीतिक दलों ने सर्वदलीय सरकार बनाने की दिशा में कदम उठाये

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपनी घोषणा के अनुसार बुधवार को इस्तीफा देने के अपने इरादे की पुष्टि की, वहीं श्रीलंका के राजनीतिक दलों ने सर्वदलीय सरकार बनाने तथा 20 जुलाई को नये राष्ट्रपति का चुनाव करने की दिशा में सोमवार को कदम उठाये ताकि देश को और अराजकता की ओर बढ़ने से रोका जा सके। श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे ने आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को बताया कि वह 13 जुलाई को इस्तीफा दे देंगे।प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कुछ दिन पहले ही प्रदर्शनकारी देश के आर्थिक संकट को संभाल नहीं पाने पर दोनों नेताओं के घरों में घुस गये थे। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के कार्यालय ने सोमवार को कहा कि नयी सर्वदलीय अंतरिम सरकार बनते ही समूचा मंत्रिमंडल इस्तीफा दे देगा और नयी सरकार को अपनी जिम्मेदारी सौंप देगा। राष्ट्रपति राजपक्षे और प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के इस्तीफा देने पर सहमत होने के बाद विपक्षी दलों ने रविवार को वार्ता की और सर्वदलीय अंतरिम सरकार बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि मंत्रिमंडल के सभी सदस्य नयी सर्वदलीय सरकार बनते ही अपनी जिम्मेदारी सौंपने पर सहमत हो गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, ''चर्चा में भाग लेने वाले सभी मंत्रियों की राय थी कि जैसे ही सर्वदलीय सरकार बनाने का समझौता होता है, वे उस सरकार को अपनी जिम्मेदारी सौंपने के लिए तैयार हैं।'' राजपक्षे ने शनिवार को एक अज्ञात स्थान से संसद अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने को सूचित किया कि वह बुधवार को इस्तीफा दे देंगे। इससे पहले हजारों प्रदर्शनकारी कोलंबो के उच्च सुरक्षा वाले फोर्ट इलाके में राष्ट्रपति आवास में घुस गये थे और उन्होंने राष्ट्रपति के पद छोड़ने की मांग की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, ''राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को सूचित किया है कि वह पहले की घोषणा के मुताबिक इस्तीफा देंगे।'' श्रीलंका की संसद 20 जुलाई को नये राष्ट्रपति का चुनाव करेगी। संसद अध्यक्ष अभयवर्धने ने सोमवार को यह घोषणा की। यह फैसला आज हुई एक महत्वपूर्ण सर्वदलीय बैठक में लिया गया। अभयवर्धने ने कहा कि बुधवार को राजपक्षे का इस्तीफा प्राप्त करने के बाद 15 जुलाई को संसद की बैठक होगी और राष्ट्रपति पद रिक्त होने की घोषणा की जाएगी। इसके बाद राष्ट्रपति पद के नामांकन प्राप्त करने के लिए 19 जुलाई को सत्र फिर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नये राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 20 जुलाई को संसदीय मतदान होगा। श्रीलंका के संविधान के तहत यदि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों त्यागपत्र दे देते हैं तो संसद अध्यक्ष अधिकतम 30 दिन तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम कर सकते हैं। संसद अपने सदस्यों में से 30 दिन के अंदर नये राष्ट्रपति का चुनाव करेगी। नया राष्ट्रपति मौजूदा कार्यकाल के बाकी दो साल के लिए पद पर रहेगा। इस बीच श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल 'समागी जन बालवेगया (एसजेबी)' ने सोमवार को कहा कि वह देश में स्थिरता लाने के लिए अगली सरकार का नेतृत्व करने को तैयार है और संसद में इस कदम के खिलाफ किसी भी तरह के प्रतिरोध को ''विश्वासघाती कृत्य'' के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे पहले ही कह चुके हैं कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं और सर्वदलीय सरकार के सत्तासीन होने

का रास्ता साफ करेंगे। विक्रमसिंघे ने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा शनिवार को उनके निजी आवास को आग लगाए जाने के बाद पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि केवल ''हिटलर जैसी मानसिकता'' वाले लोग ही इमारतों में आग लगा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मुस्लिम दल के नेता ने ट्वीट करके यह गलत जानकारी दी थी कि उन्होंने सर्वदलीय सरकार के गठन का विरोध किया है और इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण उनके आवास पर आगजनी की घटना हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांवड़ यात्रा- भगवा कपड़ों से सजा बाजार, मोदी-योगी की तस्वीरों वाली टी शर्ट्स की मांग बढ़ी

गुरुवार से सावन का महीना शुरू हो रहा है। हिंदू धर्म में सावन को काफी पवित्र महीना माना जाता है। इस महीने में पूजा पाठ का रिवाज बहुत पुराना है। इसके साथ ही सावन को भगवान शिव का महीना माना जाता है और कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। इस बार का सावन शिव भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह इसलिए है क्योंकि 2 सालों के बाद इस बार कांवड़ यात्रा निकालने की इजाजत मिल रही है। कोरोना वायरस की वजह से लगी पाबंदियों को हटा लिया गया है। इस साल शिव भक्त भगवान भोले का जलाभिषेक कर सकेंगे। इसको लेकर उनके अंदर उत्साह भी देखने को मिल रही है। बाजारों की रौनक भगवा कपड़े से और भी शानदार दिखाई दे रही है। इन सबके बीच बाजारों में देखें तो मोदी और योगी के नाम वाले टी शर्ट्स और गमछे की बिक्री बढ़ गई हैं। उत्तर प्रदेश में 90 सीटों का डिमांड काफी है। यही कारण है कि कई बाजारों में तो यह आउट ऑफ स्टॉक हो रहा है। दुकानदारों के मुताबिक इस टी शर्ट्स की मांग खूब हो रही है। इन टी शर्ट्स की बिक्री हाथों-हाथ हो जा रही है। इन टी शर्ट्स पर नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें देखने को भी मिल रही है। कुल मिलाकर देखें तो इन टी शर्ट्स की वजह से बाजारों में एक बार फिर से रौनक लौटने लगी है। कांवड़ यात्रा पर जाने वाले लोग भगवा टीशर्ट पहनकर ही जाते हैं।

अवरोधक हटा रहा एनसीआरटीसी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए दिल्ली-मेरठ रोड पर अवरोधक हटाना शुरू कर दिया है। इसी मार्ग से होकर श्रद्धालु हरिद्वार जाते हैं। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद यातायात पुलिस द्वारा तैयार किए गए मार्ग परिवर्तन योजना के तहत एनसीआरटीसी अपने यातायात कर्मियों को तैनात करेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, एनसीआरटीसी के एमडी विनय कुमार सिंह ने कांवड़ मार्ग के चौड़ीकरण और रैपिड रेल डिपो और प्रशासनिक भवन के निर्माण की प्रगति की निगरानी की।

अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि वह सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। गत 14 जून को घोषित अग्निपथ योजना में साढ़े 17 से 21 वर्ष तक की आयु के युवाओं के लिए रक्षा बलों में केवल चार साल के लिए भर्ती होने का प्रावधान है, जिनमें से 25 प्रतिशत को अतिरिक्त 15 साल के लिए बनाए रखने का प्रावधान है। इस योजना के खिलाफ कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। बाद में, मोदी सरकार ने 2022 में भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया था। उच्च न्यायालय मंगलवार को लंबित याचिका में दायर एक आवेदन पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें भारतीय नौसेना के रोजगार विज्ञापन को चुनौती दी गई है। विज्ञापन में पहले से निर्धारित पात्रता मानदंड के विपरीत, कक्षा 12वीं की परीक्षा में कट-ऑफ अंक बढ़ाकर आवेदकों का चयन करने का अधिकार नौसेना के पास सुरक्षित होने की बात कही गई है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सूचित किया कि अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाले समान मामले पहले से ही उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं और उनकी एक साथ सुनवाई की जानी चाहिए। पीठ ने निर्देश दिया कि ऐसी सभी याचिकाओं को 20 जुलाई को सुनवाई के लिए एक साथ सूचीबद्ध किया जाए।

'भारत जोड़ो यात्रा' पर विचार-विमर्श करने के लिए बृहस्पतिवार को बैठक करेंगे कांग्रेस नेता

नयी दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेता दो अक्टूबर से शुरू होने वाली पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' पर विचार-विमर्श करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां बैठक करेंगे। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस महासचिव, संगठन, के सी वेणुगोपालत ने सभी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिवों, विभिन्न राज्यों के प्रभारी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को 14 जुलाई को पार्टी मुख्यालय में बैठक में भाग लेने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता संगठनात्मक चुनाव समेत पार्टी के आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी चर्चा करेंगे। कांग्रेस 18 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के आगामी सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक और बैठक करेगी।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सोमवार को बताया कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और वह गृह पृथक-वास में हैं। जनता दल (सेक्युलर) के नेता ट्वीट किया, ''हल्के बुखार और शरीर में दर्द के लक्षणों के बाद, मैंने कोविड की जांच कराई। मैं संक्रमित पाया गया हूं। चिकित्सकों ने मुझे घर में पृथक-वास में रहने और उपचार कराने की सलाह दी है।'' उन्होंने बताया कि चिकित्सक की सलाह के अनुसार, अगले 10 दिनों तक घर पर ही उनका इलाज किया जाएगा।

सलमान को मारने के लिए लारेंस विश्नोई ने खरीदी थी 4 लाख रुपए की राइफल

नई दिल्ली । गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने खुलासा किया है कि 2018 में उसने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की पूरी तैयारी कर ली थी। इसके लिए उसने खास राइफल भी खरीदी थी, जिसके लिए 4 लाख रुपये का पेमेंट किया था। लॉरेंस बिश्नोई इन दिनों पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के सिलसिले में पंजाब पुलिस की हिरासत में है। उससे पहले दिल्ली पुलिस ने उससे पूछताछ की थी। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि लॉरेंस ने सलमान को मारने की वजह भी बताई। उसने कथित तौर पर कहा कि वह सलमान खान से चिंकारा के शिकार को लेकर नाराज था क्योंकि हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में बिश्नोई समुदाय को चिंकारा प्रिय हैं। सलमान खान के खिलाफ 1998 में राजस्थान के जोधपुर में 'हम साथ साथ हैं' फिल्म की शूटिंग के दौरान चिंकारा के शिकार का केस चला था। सलमान को जोधपुर की अदालत ने अप्रैल 2018 में दो काले हिरणों को मारने के जुर्म में पांच साल जेल की सजा सुनाई थी। सलमान ने सजा को ऊपरी अदालत में चुनौती दी है। इस मामले में सलमान को कुछ समय के लिए जोधपुर जेल में बंद भी रहना पड़ा था। बाद में उन्हें भरतपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। लॉरेंस बिश्नोई ने पुलिस पूछताछ में कथित तौर पर कबूल किया कि उसने सलमान खान को मारने के लिए राजगढ़ के रहने वाले संपत नेहरा को मैसेज भेजे थे। नेहरा उस समय फरार था। सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस ने बताया कि सलमान को मारने के लिए संपत नेहरा को मुंबई भेजा गया था। उसने अभिनेता के घर के आसपास रेकी भी की थी। लेकिन नेहरा के पास केवल एक पिस्टल थी। उसके पास लंबी दूरी तक मार करने वाली राइफल नहीं थी। इसकी वजह से वह सलमान पर हमला नहीं कर पाया था। लॉरेंस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि इसी के बाद उसने आरके स्प्रिंग राइफल खरीदने का फैसला किया। लॉरेंस के मुताबिक, उसने दिनेश डागर नाम के शख्स को ये राइफल खरीदने का ऑर्डर दिया था। इसके लिए 4 लाख रुपये का पेमेंट भी कर दिया गया था। ये पेमेंट डागर के साथी अनिल पांडे को किया गया था। हालांकि 2018 में यह राइफल डागर के कब्जे से पुलिस ने बरामद कर ली थी।

जम्मू कश्मीर के कठुआ में अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त की मंदिर में स्थापित प्रतिमा

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में स्थित एक मंदिर में लगी प्रतिमा को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त करने को लेकर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को महानपुर के धामलार-मोरहा गांव में हुई कथित घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्य सड़क को जाम कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'प्राथमिकी दर्ज की गई है और घटना की जांच करने और दोषियों को पकड़ने का जिम्मा एक पुलिस दल को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने मंदिर में प्रवेश किया और प्रतिमा को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया। कथित घटना की खबर फैलते ही जिला विकास परिषद सदस्य गोल्डी कुमार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटने के लिए समझाया। उन्होंने दोषियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए व्यापक जांच का आश्वासन भी दिया।

चीन की विस्तारवादी नीति पर होगा कड़ा प्रहार

आई2यू2 सम्मेलन में भाग लेंगे भारत, अमेरिका, सऊदी अरब और इजराइल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपनी आर्थिक और सैन्य ताकत के बल पर दुनिया के देश में घुसपैठ की कोशिश में जुटे विस्तारवादी चीन की मुश्किलें लगातार बढ़ रही है। क्वाड के गठन के बाद अब भारत और अमेरिका मिलकर वेस्ट एशिया क्वाड को सशक्त करने जा रहे हैं। जिससे लिए हिंद प्रशांत क्षेत्र के चार महारथी (अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया) के क्वाड संगठन के बाद भारत और अमेरिका अब पश्चिमी एशिया में एक नए तरह के क्वाड को परवान चढ़ा रहे हैं। भारत, इज़राइल, यूएई और यूएस ग्रुपिंग या आई2यू2 - जिसे %वेस्ट एशियन क्वाड% भी कहा जाता है, इस सप्ताह मिलने जा रहे हैं। 4 देशों का शिखर सम्मेलन 14 जुलाई को जो बाइडेन की मध्य पूर्व की यात्रा के दौरान होगा।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, इजरायल के प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट और यूएई के प्रेसिडेंट मोहम्मद बिन जायेद शामिल हो रहे हैं। बैठक में चारों देशों के बीच आर्थिक सहयोग के मुद्दे पर खास तौर पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने इसकी जानकारी दी। सुलिवन ने कहा कि बाइडेन ÷खाद्य सुरक्षा पर जोर देने के साथ इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और भारत के नेताओं के साथ चार तरफा वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित करने वाले है। शिखर सम्मेलन पश्चिम एशिया के चार दिवसीय दौरे के हिस्से के रूप में बिडेन की इज़राइल यात्रा के दौरान आयोजित किया जा रहा है। आई2यू2 शिखर सम्मेलन के अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति जेद्दा में खाड़ी सहयोग परिषद के एक व्यक्तिगत शिखर सम्मेलन में भी भाग लेने वाले हैं। जो बहरीन, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं को एक साथ लाएगा। आई2यू2 शिखर सम्मेलन से समूह के एजेंडे को अधिक आकार देने की उम्मीद है जो आर्थिक सहयोग और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर केंद्रित है।

भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर की निगरानी कर रहा है साइलेंट संतरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना दुश्मनों की हरकतों पर नजर रखने के लिए टेक्नॉलोजी का इस्तेमाल कर रही है। इसको लेकर सेना लगातार तकनीक का इस्तेमाल भी कर रही है। दरअसल तकनीक का इस्तेमाल करने के पीछे सेना का मकसद है कि भारतीय जवानों की जान को कम खतरा रहे। इस दिशा में सेना लगातार कदम बढ़ा रही है और इसी के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सीमा (पाकिस्तान पर साइलेंट संतरियों को तैनात किया है जो चुपचाप बॉर्डर की निगरानी करेंगे। इतना ही नहीं इनकी नजर से दुश्मन का बचना आसान नहीं होगा। भारतीय सेना का डिजाइन ब्यूरो खुद कई नई तकनीक पर काम कर रहा है। डिजाइन ब्यूरो ने एक रोबोट तैयार किया है जो बॉर्डर पर पेट्रोलिंग कर सकता है। इसे 'साइलेंट संतरी' का नाम दिया गया है जो दिन रात किसी भी मौसम में निगरानी रखता है। सूत्रों के मुताबिक, इसे फिलहाल जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात किया गया है। आर्मी डिजाइन ब्यूरो ने इसका डिजाइन देसी उद्योग के साथ भी शेयर किया है ताकि बड़ी संख्या में इसका प्रॉडक्शन किया जा सके। इस रोबोट की लगातार 6 घंटे पेट्रोलिंग करने की क्षमता है और इतना ही नहीं बैटरी डाउन होने पर ये खुद ही चार्जिंग प्वाइंट तक पहुंच जाता है और खुद को चार्ज करके फिर से पेट्रोलिंग करने लगता है। एक रोबोट अगर चार्जिंग पर गया तो दूसरा रोबोट उसकी एरिया की निगरानी कर लेता है।

श्रीलंका-अफगानिस्तान की तरह भाजपा पर कार्रवाई करेंगे लोग

महंगाई को लेकर अभिषेक ने साधा निशाना

कोलकाता। (एजेंसी)।

तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को ईंधन की कीमतों और महंगाई को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में लोग खाना नहीं खा पाएंगे, यह श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसा होगा। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से लोग तंज आ चुके हैं। कीमतें आसमान छू रही हैं। मध्यम वर्ग बुरी तरह से संकट में है। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले भी स्थिति ऐसी नहीं थी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल की कीमतों में इजाफा किया गया है। जिसकी वजह से लोग पेट्रोल नहीं भरा पा रहे हैं। पूरे देश में लोग एक ही स्थिति में है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो लोग खाना नहीं खा पाएंगे। श्रीलंका-अफगानिस्तान जैसे हालात होंगे, लोग श्रीलंका-अफगानिस्तान की तरह भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।आपको बता दें कि श्रीलंका में अभी तक का सबसे गहरा आर्थिक संकट छाया हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन में कब्जा जमाया हुआ है। गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया है। वहां पर खाद्य सामान से लेकर ईंधन, दवाईयां समेत तमाम चीजों की कमी है। ऐसे में जल्द ही सर्वदलीय सरकार का गठन होने की संभावना जताई जा रही है। आवास योजना का नाम बदलने से जुड़े सवाल पर अभिषेक बनर्जी ने बताया कि यह बंगाल का घर है, इसलिए मुख्यमंत्री ने इसका नाम बांग्ला आवास योजना रखा है। इसी के साथ ही उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र ने पैसा रोक दिया। यह बात भाजपा नेता अलग-अलग जगहों पर कह रहे हैं। ऐसे नहीं चल सकता है। केंद्र भुगतान करे या न करे, मुख्यमंत्री जनता के साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों को बंगाली पैसे से वंचित किया जा रहा है। भाजपा इनकम टैक्स और जीएसटी के नाम पर मोटी रकम ले रही है।

भारी बारिश ने महाराष्ट्र-गुजरात में मचाया कोहराम, 140 से अधिक लोगों की जान गई

-कर्नाटक-मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इन दिनों देश के कई राज्यों में इंद्रदेव का कोप जारी है यहां मूसलाधार बारिश आफत बनकर बरस रही हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और असम के अलावा कई राज्यों में भारी बारिश का तांडव देखने को मिल रहा है। भारी बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ की स्थिति है। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों में हो रहे लगातार भूस्खलन ने लोगों की जान को आफत में डाल दिया है। बारिश के चलते कई नदियां उफान पर हैं। वहीं, मौसम विभाग ने कई राज्यों में अलर्ट जारी किया है। बारिश से सबसे ज्यादा बुरा हाल महाराष्ट्र और गुजरात का है। दोनों राज्यों में अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश से स्थिति काफी बिगड़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र में 1 जून से अब तक 83 लोगों की मौत हो चुकी है। गढ़चिरौली जिले में 129 स्थानों से 353 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, नासिक जिले में नदियों का जल स्तर बढ़ गया है। यहां तीन लोग लापता बताए गए हैं। विभिन्न स्थानों पर एसडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। कई जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

बारिश और बाढ़ का गुजरात में भी खासा असर दिख रहा है। भारी बारिश के कारण सोमवार को अहमदाबाद में जलजमाव और बाढ़ जैसे हालात हो गए। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है। दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है। राज्य में अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 63 लोगों की जान जा चुकी है।

उद्धव पड़े नरम, द्रौपदी मुर्मू के समर्थन पर राजी, अब भाजपा से गठबंधन का दबाव बना रहे सांसद

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में सत्ता गंवाने के बाद उद्धव ठाकरे को अपनी ही पार्टी में विरोध झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कल पार्टी के सांसदों की बैठक अपने आवास 'मातोश्री' पर बुलाई थी। इस बैठक में कुल 22 सांसदों में से 15 ही पहुंचे और उनमें से भी ज्यादातर ने दबाव बनाया था कि वह शिवसेना की ओर से एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के समर्थन का ऐलान करें। तब संजय राउत ने यशवंत सिन्हा की वकालत की थी, लेकिन अकेले पड़ गए। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा था कि वह विचार करेंगे और आज सुबह खुद संजय राउत ने ही मुर्मू के समर्थन का ऐलान कर दिया। यही नहीं सांसदों का यह भी दबाव है कि वह भाजपा के साथ गठबंधन सरकार पर राजी हो जाएं। कहा जा रहा है कि इससे एक तरफ पार्टी टूटने से बच जाएगी और दूसरी तरफ सरकार में भी शिवसैनिकों को हिस्सेदारी मिल सकेगी। सोमवार को उद्धव ठाकरे की बुलाई मीटिंग में शामिल रहे सांसद हेमंत गोडसे ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मीटिंग के दौरान सांसदों ने पार्टी प्रमुख को यह सुझाव दिया था। उन्होंने कहा, 'केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम करें तो विकास कार्यों को गति मिलेगी। इसलिए, हम, सांसदों ने पार्टी प्रमुख से एक स्वाभाविक गठबंधन बनाने की मांग की।' उन्होंने कहा, 'हमने उद्धव ठाकरे से कहा कि महा विकास अघाड़ी और भाजपा के साथ गठबंधन में बड़ा अंतर है। हमने उद्धव ठाकरे से कहा कि भाजपा हमारी स्वाभाविक सहयोगी है। हमने पार्टी नेताओं को यह भी याद दिलाया कि केंद्र और राज्य एक साथ नहीं होने के कारण परियोजनाएं रुकी हुई थीं।'

राष्ट्रपति चुनाव: क्या अंतरआत्मा की आवाज सुनेगी भाजपा?

भूपेश बघेल बोले- उन्हें अपने पुराने साथी का करना चाहिए समर्थन

रायपुर। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एनडीए उम्मीदवार और संयुक्त विपक्ष उम्मीदवार अपने-अपने लिए समर्थन जुटाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। एनडीए की तरफ से द्रौपदी मुर्मू को जबकि यशवंत सिन्हा को विपक्ष ने अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में दोनों नेता लगातार राज्यों का दौरा कर वहां की सरकारों और विपक्षी पार्टियों से राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन मांग रहे हैं। इसी बीच छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नसीहत दी। समाचार एजेंसी मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा अगर अपने अंतरआत्मा की आवाज़ की सुने तो उन्हें अपने अंदर की आवाज़ को सुनकर अपने पुराने साथी (यशवंत सिन्हा) का समर्थन करना चाहिए। इसी बीच महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल शिवसेना ने बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल, शिवसेना ने ऐलान किया है कि राष्ट्रपति चुनाव में वो द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी। आपको बता दें कि शिवसेना आंतरिक कलह से जूझ रही है और इसी वजह से महाविकास अघाड़ी सरकार भी गिर गई। जिसके बाद एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार का गठन किया और अब शिवसेना ने तमाम जनप्रतिनिधियों को अपने पाले में करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं।

देश ने देखा खामोश राष्ट्रपति !

विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने सोमवार को कहा था कि पिछले पांच साल में देश ने एक खामोश राष्ट्रपति देखा। यशवंत सिन्हा ने कहा था कि वह नहीं जानते कि इन चुनावों के बाद उनका क्या हश्र होगा, लेकिन अगर वह राष्ट्रपति चुने गए, तो ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग रुक जाएगा।

योगी आदित्यनाथ के जनसंख्या वृद्धि वाले बयान पर ओवैसी का पलटवार,

पूछा- क्या भारत के मूल निवासी नहीं हैं मुसलमान ?

जमू। (एजेंसी)।

हैदराबाद। विश्व जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिए बयान को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी घमासान शुरू हो गया है। योगी आदित्यनाथ के बयान पर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है। असदुद्दीन ओवैसी ने पूछा कि क्या मुसलमान भारत के मूल निवासी नहीं हैं ? यदि हम वास्तविकता देखें तो मूल निवासी केवल आदिवासी और द्रविड़ लोग हैं। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि क्या मुसलमान भारत के मूल निवासी नहीं हैं ? यदि हम वास्तविकता देखें तो मूल निवासी केवल आदिवासी और द्रविड़ लोग हैं। उत्तर प्रदेश में बिना किसी कानून के 2026 से 2030 तक वांछित प्रजनन दर हासिल की जाएगी।

देश का जनसांख्यिकीय लाभांश सभी देशों से अच्छा

हैदराबाद सांसद ने आगे कहा कि उनके अपने स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए देश में किसी कानून की जरूरत नहीं है। ज्यादातर गर्भनिरोधक का इस्तेमाल मुसलमान ही कर रहे हैं। 2016 में कुल प्रजनन दर 2.6 थी जो अब 2.3 है। देश का जनसांख्यिकीय लाभांश सभी देशों से सर्वश्रेष्ठ है।

क्या बोले थे योगी आदित्यनाथ?

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की शुरुआत करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि जब हम परिवार नियोजन/जनसंख्या स्थिरीकरण की बात करते हैं तो हमें ध्यान में रखना होगा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा होने पाए। उन्होंने कहा था कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि जनसंख्या वृद्धि की गति या किसी समुदाय का प्रतिशत अधिक हो और हम मूल निवासियों की आबादी को स्थिर करने के लिए जागरूकता या प्रवर्तन के माध्यम से कार्य कर रहे हों।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

गुजरात पर अगले पांच दिन भारी, 7 जिलों में रेड अलर्ट, 10 जिलों में ऑरेंज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश से व्यापक तबाही हुई है। खासकर दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी और मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर समेत राज्य के कई जिलों में भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गए हैं। आगामी पांच दिनों के दौरान भारी से अतिभारी बारिश की संभावनओं के चलते राज्य के 7 जिलों में रेड अलर्ट और 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में अब तक हुई बारिश बारिश के कारण नदी-नाले छलक गए हैं। राज्य के कई डैम खतरे के निशान पर पहुंच गए है। भारी बारिश में राज्य की कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, नतीजतन कई रास्ते बंद कर दिए गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दिनों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताई है। इसकी वजह से दक्षिण गुजरात के भरुच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड और मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अहमदाबाद के अलावा मध्य गुजरात के खेडा, पंचमहल, दाहोद, आणंद, वडोदरा, सौराष्ट्र के पोरबंदर, जूनागढ़, भावनगर समेत 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौजूदा हालात को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान राज्यभर में बारिश होगी। इस दौरान 14 जिलों में अतिभरी बारिश होगी। जबकि अहमदाबाद में भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण गुजरात के 4 जिलों में अगले चार दिनों के दौरान अतिभारी बारिश की संभावना यथावत है। वलसाड में लगातार 3 दिन रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नवसारी और डांग में 2 और 2 दिन ऑरेंज अलर्ट रहेगा। सूरत और तापी में भी अतिभारी बारिश होगी। नर्मदा, भरुच, छोटाउदेपुर इत्यादि में भी मेघा का तांडव जारी रहेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के डेडियापाडा तहसील में सबसे अधिक 21 ईंच बारिश दर्ज हुई है। वहीं उमरपाडा में 16, तिलकवाडा में 20 ईंच, सागबारा में 16 ईंच, कपराडा में 15 ईंच बारिश हुई है। बारिश की वजह से राज्य में अब तक 63 लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें 7 लोगों की मौत पिछले 24 घंटों के दौरान हुई है। राज्य में बिजली गिरने से अब तक 33 लोगों की, पानी में डूबने से 16, दीवार ढहने से 8, पेड़ गिरने से 5 और बिजली का खंभा गिरने से 1 व्यक्ति की मौत हुई है। वहीं अब तक बारिश के कारण 272 पशुओं की मौत हो गई। दूसरी ओर राज्य में अब तक 10674 नागरिकों को स्थानांतरण किया गया है, जिसमें 6853 लोग अपने घरों को लौट चुके हैं।

गुजरात में बारिश का जोर घटा, तीन जिलों को रेड अलर्ट से राहत, 5 में बरकरार : राजेन्द्र त्रिवेदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने आज स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर में बारिश की स्थिति की समीक्षा के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि कल के मुकाबले आज राज्य में बारिश का जोर घटा है। हांलाकि राज्य का प्रशासन अब भी सतर्क है और नागरिकों के जानमाल की सुरक्षा को लेकर किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल राज्य में हो रही बारिश के बारे में लगातार मोनिटरिंग कर जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री से बातचीत की राज्य की स्थिति की जानकारी ली है और केन्द्र सरकार की ओर से सभी सहायता देने की तैयारी दर्शाई है। मुख्यमंत्री ने भी राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क बहते पानी के बहाव में सड़क पार करने दुस्साहस करने से बचें। राजेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि राज्य के 8 जिलों से 3 जिले भरुच, छोटाउदेपुर और नर्मदा को रेड अलर्ट जोन से बाहर कर दिया गया है। हांलाकि अब भी पांच जिले सूरत, तापी, नवसारी, डांग और वलसाड में रेड अलर्ट बरकरार है। राज्य में अब तक बारिश के दौरान के 69 लोगों की मौत हुई है। सबसे अधिक मौतें आसमानी बिजली गिरने की वजह से हुई है। एक भी मौत प्रशासन लापरवाही की वजह से नहीं हुई। रेस्क्यू ऑपरेशन में नागरिकों का पर्याप्त सहयोग मिल रहा है। सरकार के आदेशों और अपील के मुताबिक लोग सहयोग कर रहे हैं, जो अभिनंदन के पात्र हैं। आगे भी नागरिकों से ऐसा ही सहयोग मिलने की उम्मीद है। राजस्व मंत्री ने कहा कि राज्य में प्रभावित जिलों में 18 एनडीआरएफ और 18 एसडीआरएफकी प्लाटून डिप्लोय की गई है। जबकि दो टीमों को रिजर्व रखा गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों द्वारा नर्मदा जिलों में किया गया रेस्क्यू ऑपरेशन सराहनीय है। बता दें कि बीते दिन करजण नदी के पट में राजपीपला स्मशान घाट के निकट एक साथ 21 लोग पानी के बहाव में फंस गए थे, जिनके रेस्क्यू के लिए हेलिकॉप्टर की मांग की गई थी। हांलाकि प्रशासन ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से पानी में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया था। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 27896 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। जिसमें 18225 नागरिक अब भी आश्रय स्थलों पर हैं। जबकि 9671 नागरिक अपने घरों को लौट गए हैं। इन सभी नागरिकों के लिए भोजन समेत सभी सविधाएं मुहैया करवाकर उचित देखभाल की गई। त्रिवेदी ने बताया कि राज्य के गांवों में कार्यरत 14610 रोडवेज बस के रूट में से केवल 73 गांवों के रूट बंद किए गए हैं और उसमें भी 11 रूट पर बस सेवा बहाल कर दी गई है। जबकि 62 रूटों पर भी बस सेवा बहाल हो जाएगी। इसी प्रकार 18 हजार से अधिक गांवों में से केवल 124 गांवों में बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी। जिसमें से 105 गांवों में आज शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी। केवल 19 गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने में दो दिन लगने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश के कारण 15 स्टेट हाईवे और 12 पंचायत या अन्य सड़कों समेत 439 रास्तों पर सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों की आवाजाही को बंद किया गया है। जबकि कच्छ से गुजरते एक नेशनल हाईवे को भी बंद किया गया, जिसके आज देर शाम तक पूर्ववत हो जाएगा। राजेन्द्र त्रिवेदी ने बताया कि 1 जून से 31 जुलाई के दौरान मच्छीमारी पर प्रतिबंध होता है, इसके बावजूद कई मछुआरे इसके लिए समुद्र में जाते हैं। जिसे देखते हुए प्रशासन ने ऐहतियात के तौर पर मछुआरों समुद्र में नहीं जाने और अगर गए हैं तो उन्हें फौरन समुद्र से वापस लाने की कार्यवाही पहले ही कर दी गई है। आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है।

इतना ही नहीं बारिश का जोर घटने के बाद प्रशासन ने सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने राज्य के नागरिकों से भरी बारिश की स्थिति की देखते हुए प्रशासन के आदेशों का पालन करने और पर्याप्त सहयोग करने की अपील और अनुरोध किया है।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई, मुंद्रा पोर्ट से फिर पकड़ी गई 400 करोड़ से ज्यादा की हेरोइन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात एटीएस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 400 करोड़ से अधिक कीमत की हेरोइन जब्त की है। कपड़े की आड में हेरोइन एक कंटेनर से बरामद हुई है। सीएफएस क्षेत्र में रखे कंटेनर में कपड़े की आड़ में 70 किलो हेरोइन छिपाई गई थी। जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस को सूचना मिली थी कि दुबई के जेबल अली पोर्ट से कच्छ के मुंद्रो पोर्ट पर भेजे गए कंटेनर में कपड़ों की आड में हेरोइन छिपाई गई है। सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस ने कंटेनर की तलाशी में कपड़ों में छिपाई गई 70 किलो जितनी हेरोइन जब्त कर ली। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत रु 400 करोड़ बताई गई है। गुजरात एटीएस कंटेनर किसने मंगवाया था और किसने भेजा था, इसकी जांच कर रही है।